www.divybharath.com

राष्ट्रीय समाचार पत्र

RNI NO. DELHIN/2009/28518

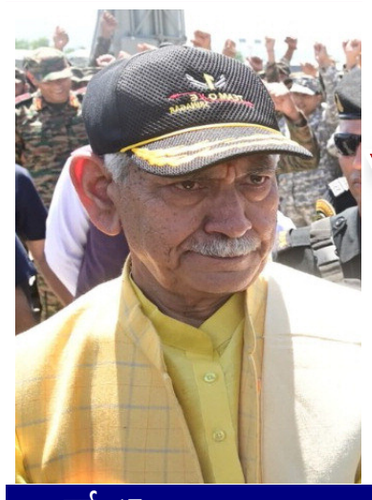

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक दिव्य भारत

वर्षः 17 | अंकः 118 | नई दिल्ली , शुक्रवार, 16 मई , 2025 | पृष्ठः संख्या 8 | मूल्यः 1.00 रूपये

- देश को हमारे सशस्त्र बलों पर गर्व — पृष्ठ 5
- गुरुग्रामः मानवता को शांति व भाईचार.. — पृष्ठ 3
- दुनिया को समझना होगा भारत. — पृष्ठ 4
- जनता को इंतजार, मंत्री विजय शाह — पृष्ठ 7

शाह को सुप्रीम फटकार, मंत्री होकर कैसी भाषा का इस्तेमाल करते हो

सीजेआई जस्टिस गवई और एआर मसीह की पीठ ने हाईकोर्ट के निर्देश पर रोक लगाने से किया इंकार, मामले की सुनवाई अब शुक्रवार को

● नई दिल्ली / (एजेंसी)

मध्य प्रदेश के कैबिनेट मंत्री विजय शाह के कर्नल सोफिया कुरैशी पर विवादित बयान को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने फटकार लगाई है। इसके साथ ही मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के आदेश पर रोक लगाने से इंकार कर दिया है।

सीजेआई बीआर गवई और न्यायमूर्ति ए आर मसीह की पीठ ने विजय शाह को फटकार लगाते हुए कहा कि आप किस तरह का बयान दे रहे हैं? आप मंत्री हैं। मंत्री होकर किस तरह की भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं? क्या यह मंत्री को शोभा देता है? कोर्ट ने कहा कि संवैधानिक पद पर बैठे शख्स से इस तरह के बयान की उम्मीद नहीं की जाती। जब देश इस तरह की स्थिति से गुजर रहा हो तब जिम्मेदारी भरे पद पर बैठे शख्स से इस तरह के बयान की उम्मीद नहीं की जा सकती।

(शेष पृष्ठ 8 पर)

हम न्यायालय के आदेश का पालन करेंगे : डॉ यादव

मंत्री विजय शाह के मामले को लेकर मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा है कि न्यायपालिका जो कहेगी हमारी सरकार उसका पालन करगी। डॉ. यादव ने गुरूवार शाम को तिरंगा यात्रा के बाद मीडिया से चर्चा के दौरान यह बात कही। डॉ. यादव ने कहा कि न्यायपालिका ने जो आदेश दिया है हमारी सरकार ने यथायोग्य तरीके से पालन किया है। न्यायलय जो कहेगा हम उसके हिसाब से चलते जाएंगे। कांग्रेस द्वार मंत्री शाह के इस्तीफे की मांग के सवाल पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कांग्रेस तो करती रहेगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सिद्धारमैया से इस्तीफा मांग ले। उनके मुख्यमंत्री रहते हुए कांग्रेस के सारे मंत्रियों पर मुकदमे चल रहे है।

अब इस्तीफे पर दिल्ली में मंथन

मंत्री शाह के इस्तीफे को लेकर मंगलवार आधी रात तक मुख्यमंत्री निवास में बैठक चली पर इस्तीफे को लेकर कोई फैसला नही हो पाया। प्रदेश से गेंद अब केन्द्र के पाले में चली गई है। सूत्रों के मुताबिक पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा और गृह मंत्री अमित शाह मुख्यमंत्री मोहन यादव और प्रदेश अध्यक्ष बीडी शर्मा से चर्चा करेंगे। इसके बाद ही इस्तीफे पर अंतिम फैसला लिया जाएगा।

एफआईआर की ड्राफ्टिंग पर हाईकोर्ट नाराज, कहा– इसे इस तरह तैयार किया गया कि खारिज हो जाए

- नए सिरे से एफआईआर की प्रति प्रस्तुत करें
- अब हाईकोर्ट करेगा इस मामले की मॉनीटरिंग

जबलपुर, (एजेंसी) मध्य प्रदेश हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति अतुल श्रीधरन व न्यायमूर्ति अनुराधा शुक्ला की युगलपीठ ने ऑपरेशन सिंदूर से जुड़ी कर्नल सोफिया कुरैशी के विरुद्ध अनर्गल टिप्पणी करने के आरोपित मंत्री विजय शाह के विरुद्ध महू के मानपुर थाने में दर्ज एफआईआर की ड्राफ्टिंग पर असंतोष जताया।

इसी के साथ राज्य शासन को नए सिरे से सुधार के निर्देश दे दिए। साथ ही शुक्रवार को फिर से सुनवाई निर्धारित कर दी। कोर्ट ने यह भी साफ कर दिया कि इस मामले की हाई कोर्ट मॉनीटरिंग करेगा। उल्लेखनीय है कि बुधवार को हाईकोर्ट ने स्वतः संज्ञान लेकर सुनवाई करते हुए मध्य प्रदेश शासन के जनजातीय कार्यमंत्री विजय शाह के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा 152, 196(1)(बी) और 197(1)(सी) के तहत अविलंब एफआईआर दर्ज करने के निर्देश दिए थे। साथ ही चेतावनी दी थी कि ऐसा न होने पर गुरुवार सुबह डीजीपी के विरुद्ध अवमानना की कार्रवाई होगी।

कोर्ट ने महाधिवक्ता कार्यालय को निर्देश दिए थे कि आदेश का पालन सुनिश्चित करने इसकी प्रति अविलंब डीजीपी को भेजें। कोर्ट ने रजिस्ट्रार (आईटी) से यह अपेक्षा की है कि उपलब्ध लिंक के अलावा विजय शाह द्वारा दिए गए अपमानजनक भाषण के वीडियो से संबंधित सभी लिंक एकत्र करें। गुरुवार को मामले की सुनवाई प्रारंभ हुई।

(शेष पृष्ठ 8 पर)

▶ राष्ट्रपति और राज्यपाल की शक्तियों, न्यायिक दखल जैसी बातों पर स्पष्टीकरण मांगा

सुप्रीम कोर्ट कैसे राष्ट्रपति-राज्यपाल के लिए तय कर सकता है डेडलाइन

राष्ट्रपति मुर्मू ने सुप्रीम कोर्ट से पूछे 14 सवाल, कहा– संविधान में ऐसी व्यवस्था नहीं, फिर सुप्रीम कोर्ट कैसे दे सकता है फैसला

● नई दिल्ली / (एजेंसी)

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने प्रेसिडेंट और गवर्नर के लिए डेडलाइन तय करने पर सवाल उठाए हैं। राष्ट्रपति मुर्मू ने पूछा कि संविधान में इस तरह की कोई व्यवस्था ही नहीं है, तो सुप्रीम कोर्ट कैसे राष्ट्रपति-राज्यपाल के लिए बिलों पर मंजूरी की समयसीमा तय करने का फैसला दे सकता है।

मुर्मू ने बुधवार को सुप्रीम कोर्ट से 14 सवाल पूछे हैं। मुर्मू ने राष्ट्रपति और राज्यपाल की शक्तियों, न्यायिक दखल और समय-सीमा तय करने जैसी बातों पर स्पष्टीकरण मांगा है। ये मामला तमिलनाडु गवर्नर और राज्य सरकार के बीच हुए विवाद से उठा था। जहां गवर्नर से राज्य सरकार के बिल रोककर रखे थे। सुप्रीम कोर्ट ने 8 अप्रैल को आदेश दिया कि राज्यपाल के पास कोई वीटो पावर नहीं है। इसी फैसले में कहा था कि राज्यपाल की ओर से भेजे गए बिल पर राष्ट्रपति को 3 महीने के भीतर फैसला लेना होगा। यह ऑर्डर 11 अप्रैल को सामने आया था।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि अनुच्छेद 201 कहता है कि जब विधानसभा किसी बिल को पास कर दे। उसे राज्यपाल के पास भेजा जाए और राज्यपाल उसे राष्ट्रपति के पास विचार के लिए भेज दे। इस स्थिति में राष्ट्रपति को बिल पर मंजूरी देनी होगी या फिर बताना होगा कि मंजूरी नहीं दे रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि आर्टिकल 201 के तहत राष्ट्रपति का निर्णय की न्यायिक समीक्षा की जा सकती है। (शेष पृष्ठ 8 पर)

राष्ट्रपति ने सुप्रीम कोर्ट से पूछे 14 सवाल

- **पहला सवाल:** राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू पूछती हैं कि जब कोई बिल राज्यपाल के पास आता है, तो उनके पास क्या संवैधानिक विकल्प होते हैं?
- **दूसरा सवाल:** क्या राज्यपाल मंत्रिपरिषद की सलाह मानने के लिए बाध्य हैं। जब वे अनुच्छेद 200 के तहत अपने विकल्पों का इस्तेमाल करते हैं, तो क्या उन्हें हमेशा मंत्रिपरिषद की बात माननी चाहिए?
- **तीसरा सवाल:** राष्ट्रपति जानना चाहते हैं कि क्या अनुच्छेद 200 के तहत राज्यपाल जो फैसले लेते हैं, उनकी न्यायिक समीक्षा हो सकती है या नहीं? क्या अदालतें उन फैसलों पर सवाल उठा सकती हैं?
- **चौथा सवाल:** राष्ट्रपति पूछती हैं कि क्या अनुच्छेद 361, अनुच्छेद 200 के तहत राज्यपाल के कार्यों की न्यायिक समीक्षा पर पूरी तरह से रोक लगाता है?
- **पांचवां सवाल:** राष्ट्रपति पूछती हैं कि क्या अदालतें न्यायिक आदेशों के माध्यम से समय सीमा तय कर सकती हैं? क्या वे यह भी बता सकती हैं कि राज्यपाल को अनुच्छेद 200 के तहत अपनी शक्तियों का प्रयोग कैसे करना चाहिए?
- **छठा सवाल:** राष्ट्रपति के विवेकाधिकार से जुड़ा है। अनुच्छेद 201 के तहत राष्ट्रपति के विवेकाधिकार की न्यायिक समीक्षा हो सकती है या नहीं।
- **सातवां सवाल:** राष्ट्रपति पूछती हैं कि क्या अदालतें न्यायिक आदेशों के माध्यम से समय सीमा तय कर सकती हैं? क्या वे यह भी बता सकती हैं कि राष्ट्रपति को अनुच्छेद 201 के तहत अपनी शक्तियों का प्रयोग कैसे करना चाहिए?
- **आठवां सवाल:** राष्ट्रपति पूछती हैं कि क्या प्रेसीडेंट को सुप्रीम कोर्ट से सलाह लेनी चाहिए जब राज्यपाल किसी बिल को राष्ट्रपति की सहमति के लिए आरक्षित करते हैं?
- **नौवां सवाल:** राष्ट्रपति पूछते हैं कि क्या राज्यपाल और राष्ट्रपति के फैसले, कानून बनने से पहले ही न्यायिक समीक्षा के अधीन हो सकते हैं? क्या अदालतें बिल के कानून बनने से पहले ही उस पर विचार कर सकती हैं?
- **दसवां सवाल:** राष्ट्रपति पूछते हैं कि क्या अनुच्छेद 142 के तहत राष्ट्रपति या राज्यपाल के संवैधानिक कार्यों और आदेशों को बदला जा सकता है?
- **ग्यारहवां सवाल:** राज्यपाल की सहमति से जुड़ा है। राष्ट्रपति पूछते हैं कि क्या राज्य विधानमंडल द्वारा बनाया गया कानून, राज्यपाल की सहमति के बिना लागू हो सकता है?
- **बारहवां सवाल:** अनुच्छेद 145(3) से संबंधित है। यह अनुच्छेद कहता है कि संविधान की व्याख्या से जुड़े महत्वपूर्ण मामलों की सुनवाई कम से कम पांच जजों की बेंच द्वारा की जानी चाहिए।
- **तेरहवां सवाल:** राष्ट्रपति पूछते हैं कि क्या सुप्रीम कोर्ट की शक्तियां केवल प्रक्रियात्मक कानून के मामलों तक सीमित हैं? या क्या अनुच्छेद 142 सुप्रीम कोर्ट को ऐसे निर्देश जारी करने या आदेश पारित करने की अनुमति देता है जो संविधान या कानून के मौजूदा प्रावधानों के विपरीत हों?
- **चौदहवां सवाल:** राष्ट्रपति पूछते हैं कि क्या संविधान सर्वोच्च अदालत को केंद्र सरकार और राज्य सरकारों के बीच विवादों को सुलझाने से रोकता है, सिवाय अनुच्छेद 131 के तहत मुकदमे के?

भारत-पाक के बीच मध्यस्थता वाले बयान से पलटे डोनाल्ड ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, मैंने भारत–पाक के बीच सीजफायर नहीं कराया, सिर्फ शांत करने में मदद की

● नई दिल्ली / (एजेंसी)

भारत-पाकिस्तान के बीच हुए युद्धविराम पर अपनी भूमिका को लेकर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर चौंकाने वाला दावा किया है। ट्रंप ने कहा कि उन्होंने दोनों देशों के बीच तनाव को शांत करने में मदद की थी, लेकिन साथ ही यह भी जोड़ा कि वह सीधे तौर पर यह नहीं कहना चाहते कि उन्होंने मध्यस्थता की।

एक कार्यक्रम के दौरान डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि मैं ये नहीं कह रहा कि मैंने मध्यस्थता की, लेकिन मैंने उस समस्या को हल कराने में मदद की, जो भारत और पाकिस्तान के बीच पिछले सप्ताह और भी ज्यादा खतरनाक हो रही थी। बता दें कि भारत और पाकिस्तान के बीच 10 मई को युद्धविराम का ऐलान हुआ था। इसे लेकर ट्रंप ने ट्वीट किया था. उन्होंने कहा था कि मैं यह घोषणा करते हुए काफी खुशी महसूस कर रहा हूं कि भारत और पाकिस्तान ने पूर्ण और तत्काल संघर्षविराम पर सहमति जताई है। दोनों देशों को सामान्य समझदारी और श्रेष्ठ बुद्धिमत्ता का परिचय देने के लिए बधाई। अमेरिका ने युद्धविराम के फैसले को दोनों देशों की समझदारी और बुद्धिमत्ता बताया था। साथ ही ट्रंप ने भारत-पाकिस्तान दोनों देशों को इस फैसले के लिए बधाई दी थी। हालांकि भारत सरकार ने ट्रंप के इस दावे को भी खारिज कर दिया कि उन्होंने ट्रेड रोकने की चेतावनी देकर भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम कराने में मदद की थी। (शेष पृष्ठ 8 पर)

ट्रम्प बोले- मैं नहीं चाहता एपल प्रोडक्ट भारत में बनें

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने एपल के सीईओ टिम कुक से कहा है कि भारत में फैक्ट्रियां लगाने की जरूरत नहीं है। मैं नहीं चाहता हूं कि एपल के प्रोडक्ट वहां बनाएं। इंडिया अपना ख्याल खुद रख सकता है। एपल सीईओ के साथ हुई इस बातचीत की जानकारी ट्रम्प ने गुरुवार को कतर की राजधानी दोहा में बिजनेस लीडर्स के साथ कार्यक्रम में दी।

- कंपनी के सीईओ को सलाह– अमेरिका में प्रोडक्शन बढ़ाएं, भारत अपना ख्याल खुद रख लेगा

उन्होंने कहा कि एपल को अब अमेरिका में प्रोडक्शन बढ़ाना होगा। वहीं, ट्रम्प ने कहा कि भारत ने हमें ट्रेड में जीरो टैरिफ डील की पेशकश की है। उन्होंने कहा कि भारत हमसे ट्रेड में कोई चार्ज नहीं लेने को तैयार है। ट्रम्प ने गुरुवार को कतर की राजधानी दोहा में बिजनेस लीडर्स के साथ एक कार्यक्रम में एपल सीईओ के साथ हुई बातचीत की जानकारी दी।

अमेरिकी बाजार में बिकने वाले 50% आईफोन भारत में बन रहे

एपल के सीईओ टिम कुक ने हाल ही दिए एक इंटरव्यू में बताया था कि अमेरिकी बाजार में बिकने वाले 50 प्रतिशत आईफोन भारत में बन रहे हैं। कुक ने कहा कि भारत अप्रैल-जून तिमाही में अमेरिका में बिकने वाले आईफोन्स का कंट्री ऑफ ओरिजिन बन जाएगा। उन्होंने बताया कि एयरपॉड्स, एपल वॉच जैसे अन्य प्रोडक्ट्स भी ज्यादातर वियतनाम में बनाए जा रहे हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, चीन पर अपनी निर्भरता कम करने के लिए एपल काफी समय से अपनी सप्लाई चेन को वहां से बाहर शिफ्ट करने पर काम कर रही है। एपल अगर अपनी असेंबलिंग भारत की ओर इस साल के आखिर तक शिफ्ट कर लेती है, तो 2026 से यहां सालाना 6 करोड़ से ज्यादा आईफोन का प्रोडक्शन होगा। ये मौजूदा कैपेसिटी से दोगुना है। आईफोन के मैन्युफैक्चरिंग पर अभी चीन का दबदबा है।

पाकिस्तान के एटम बमों को अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी अपनी निगरानी में ले : राजनाथ

नई दिल्ली, (हि.स.)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को पूरी दुनिया के सामने सवाल उठाया कि क्या परमाणु हथियार पाकिस्तान के हाथों में सुरक्षित हैं? उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के परमाणु बमों को अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) की निगरानी में लिया जाना चाहिए। उसने पहलगाम में आतंकवादी घटना से भारत के माथे पर चोट पहुंचा कर भारत की सामाजिक एकता को तोड़ने का प्रयास किया। उसने भारत के माथे पर वार किया, तो हमने उनकी छाती पर घाव दिए हैं। पाकिस्तान के जख्मों का इलाज इसी बात में है कि वह आतंकवादी संगठनों को पनाह देना बंद करे, भारत के खिलाफ अपनी जमीन का इस्तेमाल न होने दे। पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद के खिलाफ ऑपरेशन 'सिंदूर' के स्थगित होने के बाद रक्षा मंत्री का यह पहला श्रीनगर दौरा है। वे ऑपरेशन 'सिंदूर' के दौरान हुई सैन्य कार्रवाई पर सैनिकों के प्रति आभार जताने यहां पहुंचे हैं। श्रीनगर के बादामी बाग कैंट में भारतीय सेना के बहादुर सैनिकों को संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि मैं आपकी उस ऊर्जा को महसूस करने आया हूं, जिसने दुश्मनों को नेस्तनाबूद कर दिया। आपने जिस तरीके से सीमा पार पाकिस्तान की चौकियों और बंकरों को ध्वस्त किया, दुश्मन उसे कभी भूल नहीं पायेगा।

आपने देखा होगा कि आमतौर पर लोग जोश में होश खो देते हैं, लेकिन आपने जोश भी रखा, होश भी रखा और सूझबूझ के साथ दुश्मन के ठिकानों को बर्बाद किया।

उन्होंने कहा कि ऑपरेशन 'सिंदूर' में उस एक-एक जवान की आंखों में देखा गया सपना था कि हर आतंकी ठिकाना, चाहे वो घाटियों में छुपा हो या बंकरों में दबा हो, हम वहां पहुंचेंगे और दुश्मन की छाती चीरकर उन आतंकी ठिकानों को खत्म करके ही लौटेंगे। उन्होंने सैनिकों को याद दिलाया कि लगभग इक्कीस साल पहले अटलजी के सामने इसी पाकिस्तान ने इस्लामाबाद में घोषणा की थी अब उनकी धरती से आतंकवाद एक्सपोर्ट नहीं किया जाएगा।

जामिया और मानू ने भी तुर्किए के शैक्षिक संस्थानों के साथ समझौते निलंबित किए

नई दिल्ली, (हि.स.)। राजधानी दिल्ली स्थित विश्व के सुप्रसिद्ध जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) के बाद देश की प्रतिष्ठत जामिया मिल्लिया इस्लामिया (जामिया) और मौलाना आजाद नेशनल उर्दू यूनिवर्सिटी (मानू) ने भी तुर्किए के साथ हुए समझौतों को निलंबित कर दिया है। ऐसा देशहित और राष्ट्रीय सुरक्ष के मद्देनजर किया गया है। दोनों विश्वविद्यालयों ने इसकी जानकारी एक्स पर एक पोस्ट पर दी है। गौरतलब है कि भारत-पाकिस्तान के बीच उत्पन्न तनाव के दौरान पाकिस्तान का साथ देने वाले देशों तुर्किए और आजरबाईजान के प्रति भारत में जबरदस्त आक्रोश व्याप्त है। जहां इन देशों के सामानों का भारतीय जनता के जरिए बायकॉट किया जा रहा है, वहीं इन देशों की यात्रा के लिए पहले से की गई बुकिंग को भी रद्द करने की खबरें चल रही हैं। अब भारतीय विश्वविद्यालयों के जरिए तुर्किए के शिक्षण संस्थानों के साथ किए गए समझौतों को निलंबित किया जा रहा है। जेएनयू पहले ही तुर्किए की इनॉनू यूनिवर्सिटी से साथ शैक्षिक समझौता निलंबित कर चुकी है। अब जामिया मिल्लिया इस्लामिया ने आज एक ट्वीट के जरिए यह घोषणा की है कि उसने तुर्किए के शैक्षणिक संस्थानों के साथ जो भी एमओयू साइन किए हैं, वह सभी फिलहाल निलंबित कर दिए हैं। अपने ट्वीट में जामिया मिल्लिया इस्लामिया ने कहा है कि राष्ट्रहित और राष्ट्र की सुरक्षा को मद्देनजर रखते हुए यह फैसला लिया गया है। इसी तरह हैदराबाद स्थित मौलाना आजाद नेशनल उर्दू यूनिवर्सिटी (मानू) ने भी तुर्किए के यूनुस एमरे इंस्टीट्यूट के साथ अपने शैक्षणिक समझौता ज्ञापन (एमओयू) को तत्काल समाप्त करने की घोषणा की। विश्वविद्यालय का कहना है कि यह निर्णय भारत और पाकिस्तान के बीच हाल के तनाव के दौरान तुर्किए द्वारा पाकिस्तान की आतंकवादी गतिविधियों को समर्थन दिए जाने के मद्देनजर लिया गया है।

पाकिस्तान के साथ संबंध और बातचीत दोनों हमेशा रहेंगे द्विपक्षीय: जयशंकर

नई दिल्ली, 15 मई (हि.स.)। विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने गुरुवार को कहा कि पाकिस्तान के साथ भारत का संबंध और बातचीत हमेशा द्विपक्षीय ही रहेंगे। इसमें कोई बदलाव नहीं होगा। उन्होंने कहा कि भारत की कार्रवाई केवल पाकिस्तान स्थित आतंकी ठिकानों तक सीमित थी और हमने अपना लक्ष्य पा लिया है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि पाकिस्तान के साथ संघर्ष विराम नहीं हुआ है बल्कि संघर्ष रोका गया है। उन्होंने पाकिस्तान को चेतावनी दी कि उसे आतंकवाद के पूरे ढांचे को नष्ट करना होगा और वह जानता है कि क्या करना है।

विदेश मंत्री ने आज होंडुरास के विदेश मंत्री हेनरी क्वीन के साथ उनके नई दिल्ली स्थित दूतावास का उद्घाटन किया। उन्होंने हॉन्डुरस को आतंकवाद के खिलाफ ठोस समर्थन के लिए धन्यवाद दिया। कार्यक्रम से इतर विदेश मंत्री डॉ. जयशंकर ने गुरुवार को पाकिस्तान, आतंकवाद, अमेरिका से व्यापार वार्ता और संघर्षकाल में अंतरराष्ट्रीय सहयोग को लेकर महत्वपूर्ण बयान दिया। विदेश मंत्री ने कहा कि भारत-पाकिस्तान के बीच संबंध और बातचीत हमेशा द्विपक्षीय ही रहेंगे। इसमें कोई बदलाव नहीं होगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने साफ कहा है कि पाकिस्तान के साथ बातचीत केवल आतंकवाद पर होगी। पाकिस्तान को उन आतंकवादियों को सौंपना होगा जिसकी सूची हमने दी है और आतंकवादी नेटवर्क को बंद करना होगा। भारत आतंकवाद के मुद्दे पर बातचीत के लिए तैयार है। डॉ.जयशंकर ने स्पष्ट किया कि भारत का पाकिस्तान से संपर्क आतंकवाद के मुद्दे तक सीमित रहेगा। आतंकवाद का आधार समाप्त किए बिना कोई भी सामान्य द्विपक्षीय संबंध या जल संधि पुनः शुरू नहीं होगी।

दिल्ली में सभी जिला और ब्लॉक कांग्रेस कमेटियों की कार्यकारिणी भंग

नई दिल्ली, 15 मई (हि.स.)। संगठन सृजन अभियान के तहत पार्टी को बूथ स्तर मजबूती देने के लिए गुरुवार को दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव के नेतृत्व में सभी 14 जिलों में कार्यकारिणी की मासिक बैठक हुई। बैठक में सभी जिला और ब्लॉक कांग्रेस कमेटियों की कार्यकारिणी भंग कर दी गई और जल्द नई कार्यकारिणी के गठन करने का निर्देश भी दिया गया। प्रदेश अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने आदर्श नगर जिला कांग्रेस कमेटी की बैठक में पहुंचकर वहां प्रदेश कांग्रेस की ओर से राजीव गांधी जनसेवा केंद्र का उद्घाटन किया और आदर्श नगर जिला कांग्रेस की ६६६.िरँल्लॅशू.ल्ल वेबसाइट भी लांच की। जिला अध्यक्ष सिद्धार्थ राव की अध्यक्षता में कांग्रेस परिवार आपके द्वार के तहत राजीव गांधी जनसेवा केंद्र के अंतर्गत सभी दिल्ली सरकार, पुलिस संबधी, डीडीए की योजनाओं और सेवाओं का लाभ हर गरीब, वंचित और जरुरतमंद तक पहुंचाने में दिल्ली की जनता की हर संभव मदद की जाएगी। इनमें प्रमाण पत्र व दस्तावेज बनाने की सेवा हो, युवाओं के शिक्षा संबधी सेवा हो, सामाजिक सुरक्षा, कल्याण व नागरिक सेवा, छात्रवृति जैसी दिल्ली सरकार की सभी योजनाओं का लाभ शामिल है। देवेंद्र यादव ने कहा कि आदर्श नगर जिला कांग्रेस की तरह राजीव गांधी जनसेवा केंद्र जल्द सभी जिलों में भी खोले जाएंगे। देवेंद्र यादव ने स्पष्ट कहा कि संगठन में सक्रिय रुप से काम करने वाले कार्यकर्ता को आगे बढ़ने का हर स्तर पर मौका दिया जाएगा। कोई भी कार्यकर्ता अपने को छोटा न समझे क्योंकि कांग्रेस पार्टी में सबको समान अवसर और बराबरी का अधिकार है।

12 वार्डों पर निगम के उप चुनाव होने हैं, हमें निगम में अपनी गिनती पर ध्यान न देकर क्षेत्र में कांग्रेस संगठन के साथ अधिक से अधिक लोगों को जोड़ने का प्रयास करना है। देवेंद्र यादव ने सभी जिला व ब्लाक अध्यक्षों को निर्देश दिए कि जल्द से जल्द मंडल और सेक्टरों के क्षेत्रों का निर्धारण और नामकरण करके गठन करें। औसतन एक ब्लाक में 40-50 पोलिंग बूथ है। 20-25 बूथों पर एक मंडल और 5-7 बूथां पर एक सेक्टर का गठन करना होगा। एक ब्लाक में दो मंडल और 4-5 सेक्टरों का गठन करें। यादव ने कहा कि मंडल/सेक्टर का नाम क्षेत्र की मुख्य कॉलोनी, मुख्य सड़क या गांव के नाम पर रख सकते हैं। ब्लाक, मंडल और सेक्टरों के नाम अलग अलग होने चाहिए। मंडल/सेक्टर के क्षेत्र का विभाजन करते हुए यह भी ध्यान रखें कि विभाजित करने वाली सड़कों, कॉलोनियां व ब्लाक को समाजित न किया जाए। देवेंद्र यादव ने कहा कि मंडल/सेक्टरों का विभाजन के लिए जिला पदाधिकारियों की बैठक बुलाई जाए।

इसमें जिला अध्यक्ष, जिला पर्यवेक्षक, ब्लाक अध्यक्ष, पूर्व विधायक, एआईसीसी डेलीगेट, प्रदेश डेलीगेट, निगम पार्षद, पूर्व निगम पार्षद, विधानसभा व निगम प्रत्याशी सहित बीएलए-1 की मौजूदगी अनिवार्य होनी चाहिए। उन्होंने जिला व ब्लाक अध्यक्षों को निर्देश दिए कि जल्द मंडल/सेक्टरों का नामकरण करके इनके अध्यक्ष पद नियुक्ति के लिए 2-3 उम्मीदवारों की सूची तैयार करे ताकि क्षेत्र के लोगों की राय लेकर मंडल/सेक्टर अध्यक्षों की नियुक्ति सुनिश्चित की जा सके।

■ दिल्ली प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने किया राजीव गांधी जनसेवा केंद्र का उद्घाटन

ब्रांडिंग दिल्ली अभियान के तहत मंत्री कपिल मिश्रा ने की समीक्षा बैठक

नई दिल्ली, 15 मई (हि.स.)। दिल्ली सरकार के कला, संस्कृति एवं भाषा और पर्यटन मंत्री कपिल मिश्रा ने आज दिल्ली सचिवालय में ह्लब्रांडिंग दिल्लीह्व पहल के तहत प्रमुख पीआर/मीडिया एजेंसियों के साथ समीक्षा बैठक की। इस बैठक का उद्देश्य दिल्ली को वैश्विक स्तर पर सांस्कृतिक और पर्यटन केंद्र के रूप में स्थापित करने के लिए रणनीतियां तय करना है। बैठक में विभिन्न प्रचार प्रसार एजेंसियों के प्रतिनिधियों, मीडिया विशेषज्ञों एवं ब्रांडिंग सलाहकारों ने भाग लिया। मंत्री ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए कहा कि यह पहल केवल एक प्रचार मुहिम नहीं बल्कि दिल्ली की समृद्ध विरासत, विविधता, ऐतिहासिकता और समकालीन संस्कृति को विश्व पटल पर उभारने का एक प्रयास है। यह बैठक ह्लब्रांडिंग दिल्लीह्व के तहत भावी रोडमैप तैयार करने के लिए बुलाई गई थी जिसके जरिए राजधानी दिल्ली को विकसित दिल्ली के साथ ही सांस्कृतिक और पर्यटन हब के रूप में सशक्त किया जाना और साथ ही एक वैश्विक, आधुनिक और समृद्ध राजधानी के रूप में प्रस्तुत करना है।

कपिल मिश्रा ने ह्यब्रांडिंग दिल्लीह्व पहल को लेकर कहा कि दिल्ली की पहचान ऐतिहासिक धरोहरों, कला, संस्कृति और उदार सोच से जुड़ी है। अब समय है कि हम मिलकर एक सशक्त ब्रांड तैयार करें जो दिल्ली के गौरव को विश्वभर में पहुंचाए। दिल्ली सरकार की कोशिश है कि पर्यटन के लिहा से दिल्ली ट्रांसिट पाइंट से आगे बढकर वैश्विक पर्यटन केंद्र बने। इसलिए दिल्ली के छोटे-छोटे दर्शनीय स्थलों की भी बड़े स्तर पर ब्रांडिंग की जरूरत है। देश और विदेश के पर्यटक दिल्ली में ठहरकर विभिन्न ऐतिहासिक, धार्मिक और सांस्कृतिक स्थलों का भ्रमण कर अपना समय व्यतीत करें।

दिल्ली सरकार के बजट 2025-26 में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्ली को ह्यविकसित राजधानीह्व के रूप में ब्रांड करने के लिए एक व्यापक बजट का भी प्रावधान किया है। इस अभियान के अंतर्गत प्रस्तावित प्रमुख पहले इस प्रकार हैं अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव : दिल्ली को फिल्म-निर्माण के लिए आकर्षक गंतव्य बनाने के उद्देश्य से अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव आयोजित किया जाएगा। इसके लिए इंडिया इंटरनेशनल कन्वेंशन एंड एक्सपो सेंटर और भारत मंडपम को संभावित आयोजन स्थल के रूप में प्रस्तावित किया गया है।

मंत्री ने सभी एजेंसियों से रचनात्मक सुझाव भी आमंत्रित किए और इस अभियान को सहभागी, पारदर्शी और नवोन्मेषी बनाने का आह्वान किया। बैठक में सहभागियों ने ब्रांडिंग के विभिन्न आयामों जैसे—डिजिटल मीडिया प्रचार, सांस्कृतिक आयोजनों का वैश्विक प्रदर्शन, अंतरराष्ट्रीय टूरिज्म पार्टनरशिप और समावेशी शहर के छवि निर्माण पर व्यापक चर्चा की।

निवेश शिखर सम्मेलन : राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय निवेशकों को आकर्षित करने के लिए एक विशेष निवेश सम्मेलन आयोजित किया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

एलजी और सीएम ने की दिल्ली के 111 गांवों में पीएनजी कनेक्शन सुविधा की शुरूआत

नई दिल्ली, 15 मई (हि.स.)। दिल्ली के उप-राज्यपाल विनय कुमार सक्सेना और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने गुरुवार को दिल्ली के 111 गांवों में पीएनजी कनेक्शन की शुरूआत की। यह गैस कनेक्शन इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड़ द्वारा लगे हैं। द्वारका के गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय के सभागार में आयोजित कार्यक्रम में पीएनजी कनेक्शन देने की शुरूआत हुई। पहला पीएनजी गैस कनेक्शन दक्षिण दिल्ली के गांव मसूदपुर की सुरेश देवी को दिया गया है। इस मौके दिल्ली के मंत्री आशीष सूद, रविंद्र इंद्राज सिंह, सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी, योगेंद्र चंदोलिया, कमलजीत सहरावत मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जब आह्वान किया तब गृह मंत्री अमित शाह और उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने पहले फेज में 130 गांव में घर-घर पाइपलाइन पहुंची। उन्होंने कहा कि आज दूसरे फेज में 111 गांव में और साल के अंत तक हम 116 गांव में गैस पाइपलाइन बिछाने का काम पूरा करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि पीएनजी कनेक्शन होने से दिल्ली के ग्रामीण इलाकों में रहने वाले हजारों परिवारों को सुरक्षित, सुविधाजनक और निरंतर घरेलू गैस आपूर्ति मिलेगी। उन्होंने कहा कि अब ग्रामीण परिवारों को सिलेंडर भरवाने की प्रतीक्षा, उठाने-ढोने की परेशानी और अस्थिर आपूर्ति जैसी कठिनाइयों से मुक्ति मिलेगी। पीएनजी कनेक्शन न केवल सुलभ और किफायती है बल्कि दैनिक जीवन को सरल और सुरक्षित भी बनाता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पहल जनसुविधा और जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है और विकसित दिल्ली के विजन की ओर एक ठोस कदम है। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार की यह पहल राजधानी के प्रत्येक घर तक स्मार्ट, विश्वसनीय और स्थायी ऊर्जा पहुंचाने के संकल्प को दशार्ती है। मंत्री आशीष सूद ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि दिल्ली सरकार द्वारा 111 गांवों में पीएनजी सुविधा का शुरूआत हो चुकी है। उन्होंने ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का विजन हर रसोई से धुआं हटाना है। 2022 तक 30 फीसद गांव अभी भी पारंपरिक ऊर्जा साधनों का इस्तेमाल करते थे। उसमें परिवर्तन हुआ है और 111 गांवों के साथ आज नया अध्याय शुरू हुआ है। मंत्री आशीष सूद ने दिल्ली के 111 गांवों में एक साथ पीएनजी कनेक्शन को स्वच्छ ऊर्जा की दिशा में ऐतिहासिक कदम बताया है। उन्होंने कहा कि अब हर घर पहुंचेगी स्वच्छ, सस्ती और सुरक्षित गैस सेवा।

दिल्ली से सभी कूड़े के पहाड़ों को 2028 तक खत्म कर दिया जाएगा : मनजिंदर सिंह सिरसा

नई दिल्ली, 15 मई (हि.स.)। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि दिल्ली से 2028 तक सभी कूड़े के पहाड़ों को खत्म कर दिया जाएगा। मंत्री ने यह बाते गुरुवार को ओखला लैंडफिल साइट के दौरे पर कही। इस दौरान मंत्री के साथ भाजपा सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी और दिल्ली के महापौर राजा इकबाल सिंह मौजूद रहे। मंत्री मनजिंदर सिंह ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि जिस तरह धरती से डायनासोर का नामो-निशान मिट गया। उसी तरह अब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ दिल्ली से ये कचरे के पहाड़ भी लुप्त हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार ओखला लैंडफिल की 62 एकड़ में से लगभग 30 एकड़ भूमि समतल कर चुकी है। इसके साथ ही ओखला लैंडफिल साइट में जो कूड़े के पहाड़ 60 मीटर तक फैले हुए थे। वे अब 20 मीटर के रह गए हैं। मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि ओखला लैंडफिल से दिसंबर 2025 तक 30 लाख मीट्रिक टन कूड़ा हटाने का लक्ष्य है। दिल्ली सरकार का 2028 तक दिल्ली के सभी लैंडफिल साइट्स को साफ करने का लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि राजधानी को विकसित, स्वच्छ, सुंदर और प्रदूषण-मुक्त बनाने के लिए तेजी से काम हो रहा है। सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी ने एक्स पोस्ट करते बताया कि ओखला फेज-कका कूड़े का पहाड़ 2026 में हो जाएगा खत्म।

दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष ने इथियोपियाई प्रतिनिधिमंडल से संवाद करते हुए साझा परंपराओं का किया उल्लेख

नई दिल्ली, 15 मई (हि.स.)। दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने गुरुवार एक उच्चस्तरीय 41-सदस्यीय इथियोपियाई प्रतिनिधिमंडल से विशेष संवाद किया। यह प्रतिनिधिमंडल 12 से 17 मई तक राष्ट्रीय सुशासन केंद्र (एनसीजीजी) द्वारा आयोजित ह्लएक सप्ताहीय कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्रामह्व के अंतर्गत भारत यात्रा पर है। इस प्रतिनिधिमंडल में इथियोपिया की यूनियन पार्लियामेंट की उपाध्यक्ष जहरा हुमेद, क्षेत्रीय विधानसभाओं के अध्यक्ष, राज्य मंत्री, विभागीय सचिव एवं सुरक्षा विभागों के प्रमुख शामिल है। दिल्ली विधान सभा परिसर में इस प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करते हुए अध्यक्ष ने विधानसभा की कार्यप्रणाली, ऐतिहासिक विरासत एवं प्रौद्योगिकी आधारित नवाचारों की जानकारी दी। विजेंद्र गुप्ता ने अपने संबोधन में भारत और इथियोपिया के बीच सांस्कृतिक और ऐतिहासिक संबंधों को रेखांकित करते हुए साझा परंपराओं जैसे समोसा और चाय का उल्लेख किया।

उन्होंने दिल्ली विधान सभा द्वारा अपनाई गई प्रमुख पहलों की जानकारी दी, जिसमें राष्ट्रीय ई-विधान अनुप्रयोग (नेवा) के अंतर्गत पेपरलेस कार्यवाही, 500 किलोवाट सौर ऊर्जा संयंत्र की स्थापना—जिसके माध्यम से दिल्ली विधानसभा देश की पहली पूर्णतः सौर ऊर्जा चालित विधानसभा बनी—और डिजिटल पुस्तकालय जैसे नवाचार शामिल हैं।

विधानसभा अध्यक्ष ने विधायक-मंत्री सहभागिता तंत्र, जनशिक्षा को बढ़ावा देने हेतु लाइट एंड साउंड शो, और आजादी के आंदोलन से जुड़ी प्रस्तुतियों का भी उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि किस प्रकार विधानसभा को एक जीवंत लोकतांत्रिक केंद्र एवं नागरिक जागरूकता के मंच में रूपांतरित किया जा रहा है।

प्रतिनिधिमंडल की ओर से इथोपिया

पार्लियामेंट की डिप्टी स्पीकर जहरा हुमेद ने भारत की जीवंत लोकतांत्रिक परंपरा, मजबूत संस्थागत ढांचे और सामाजिक-सांस्कृतिक विविधता के बीच विकास की गति की सराहना की। उन्होंने भारत-इथियोपिया के सांस्कृतिक जुड़ाव, खाद्य संस्कृति, भारतीय सिनेमा और इथियोपिया में भारतीय शिक्षकों के योगदान का उल्लेख किया। साथ ही ब्रिक्स+ की साझेदारी को मजबूती देने की बात कही। उन्होंने भारत को विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बताया और कहा कि इथियोपिया भी पूर्वी अफ्रीका की सबसे तेजी से उभरती अर्थव्यवस्था है।

अंत में इथियोपियाई प्रतिनिधिमंडल ने दिल्ली विधान सभा और भारत सरकार के प्रति आभार व्यक्त करते हुए इस संवाद को अत्यंत प्रेरणादायक और उपयोगी बताया।

दिल्ली विश्वविद्यालय में वाइस चांसलर इंटर्नशिप स्कीम का तीसरा दिन: छात्रों का उत्साह चरम पर

नई दिल्ली, 15 मई (हि.स.)। दिल्ली विश्वविद्यालय में वाइस चांसलर इंटर्नशिप स्कीम का आज तीसरा दिन छात्रों के लिए नई सीख और अनुभवों से भरपूर रहा। इस दो महीने की ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप के दौरान चयनित छात्र विश्वविद्यालय के विभिन्न प्रशासनिक विभागों में 20 घंटे प्रति सप्ताह कार्य करेंगे। इंटर्नशिप में भाग ले रही नेहा ने कहा कि यह इंटर्नशिप हमारे लिए एक अनूठा अवसर है। जिससे हम विश्वविद्यालय की कार्यप्रणाली को नजदीक से समझ पा रहे हैं और प्रशासनिक कार्यों में भागीदारी कर रहे हैं। एक अन्य छात्र यश ने बताया कि इस इंटर्नशिप के माध्यम से हमें नेतृत्व कौशल, टीमवर्क और निर्णय लेने की क्षमता विकसित करने का अवसर मिल रहा है। यह हमारे करियर के लिए बेहद लाभकारी है। यह दो महीने का इंटर्नशिप कार्यक्रम जून और जुलाई के दौरान आयोजित किया जा रहा है। जिसमें चयनित छात्रों को विश्वविद्यालय के विभिन्न प्रशासनिक विभागों में व्यावहारिक अनुभव प्रदान किया जाएगा। इस इंटर्नशिप के लिए छात्रों को प्रति माह ₹11,025 का स्टाइपेंड प्रदान किया जाएगा। यह इंटर्नशिप छात्रों को विश्वविद्यालय की कार्यप्रणाली में व्यावहारिक अनुभव प्रदान करती है। जिससे वे अपने करियर में आगे बढ़ने के लिए आवश्यक कौशल विकसित कर सकते हैं।

दैनिक पंचांग

16 मई 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

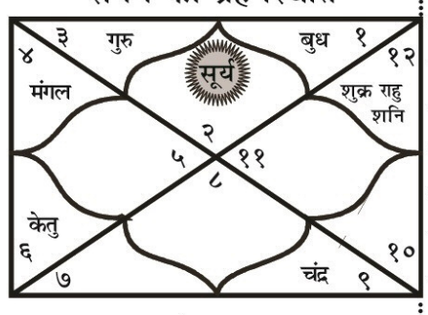

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृष में	वृष	05.14 बजे से
चंद्र	धनु में	मिथुन	07.16 बजे से
मंगल	कर्क में	कर्क	09.30 बजे से
बुध	मेष में	सिंह	11.46 बजे से
गुरु	मिथुन में	कन्या	13.58 बजे से
शुक्र	मीन में	तुला	16.08 बजे से
शनि	मीन में	वृश्चिक	18.23 ब.से
राहु	मीन में	धनु	20.39 बजे से
केतु	कन्या में	मकर	22.44 बजे से
राहुकाल		कुंभ	00.31 बजे से
10.30 से		मीन	02.03 बजे से
12.00 बजे तक		मेष	03.34 बजे से

शुक्रवार 2025 वर्ष का 136 वा दिन **दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** ग्रीष्म। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1946 **मास** ज्येष्ठ (दक्षिण भारत में वैशाख) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** चतुर्थी 05.14 बजे प्रात: को समाप्त। **नक्षत्र** मूल 16.08 बजे को समाप्त। **योग** सिद्ध 07.14 बजे को समाप्त। **करण** बव 16.42 बजे तदनन्तर बालव 05.14 बजे प्रात: को समाप्त। **चन्द्रायु** 18.2 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 19° 07' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872346 **जूलियन दिन** 2460811.5 **कलियुग संवत्** 5125 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** जिल्काद **तारीख** 17 **विशेष** संकष्टी चतुर्थी।

दिन का चौघड़िया					रात का चौघड़िया				
चर	05.55	से	07.23	बजे तक	रोग	05.38	से	07.1	बजे तक
लाभ	07.23	से	08.51	बजे तक	काल	07.11	से	08.43	बजे तक
अमृत	08.51	से	10.19	बजे तक	लाभ	08.43	से	10.15	बजे तक
काल	10.19	से	11.47	बजे तक	उद्वेग	10.15	से	11.47	बजे तक
शुभ	11.47	से	01.15	बजे तक	शुभ	11.47	से	01.19	बजे तक
रोग	01.15	से	02.43	बजे तक	अमृत	01.19	से	02.51	बजे तक
उद्वेग	02.43	से	04.10	बजे तक	चर	02.51	से	04.23	बजे तक
चर	04.10	से	05.38	बजे तक	रोग	04.23	से	05.55	बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

भविष्यफल

मेष : किसी से कहासुनी न हो यह ध्यान रहे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-5-8-9

वृष : अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। परिवारजनो के सहयोग व समन्वय से काम बनाना आसान रहेगा। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। शुभांक-5-6-7

मिथुन : परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी आर्थिक लाभ हेतु किये गए कार्यों का तत्काल प्रतिफल मिलेगा। एकाकी वृत्ति त्यागें। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शुभांक-1-2-5

कर्क : स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। शुभांक-1-8-9

सिंह : लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। मनोरथ सिद्धि का योग है। सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। शुभांक-5-6-8

कन्या : स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। शुभांक-6-8-9

तुला : प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-4-5-6

वृश्चिक : स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। शुभांक-5-6-9

धनु : शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। शुभांक-6-7-8

मकर : लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। शुभांक-5-6-8

कुंभ : माता पक्ष से विशेष लाभ होगा। अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शुभांक-1-6-7

मीन : प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। स्वविवेक से कार्य करे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। माता पक्ष से विशेष लाभ होगा। शुभांक-3-5-7

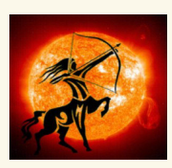

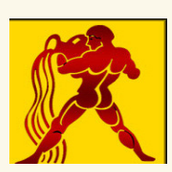

ब्रीफ न्यूज

एनएलयू प्रोफेसर बने पूर्व सीजेआई चंद्रचूड़

नई दिल्ली, आरएनएन। भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ को नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी (एनएलयू) दिल्ली में प्रोफेसर के रूप में नियुक्त किया गया है। वे

कांस्टीट्यूशनल स्टडीज सेंटर के हेड होंगे। छात्रों और कानूनी समुदाय को और अधिक जोड़ने के लिए, यूनिवर्सिटी जुलाई से इन द स्पिरिट ऑफ जस्टिसः द डीवाईसी डिस्टिंगिश्ड लेक्चर सीरीज भी शुरू करेगी। जिसका उद्देश्य चंद्रचूड़ के न्यायशास्त्र के माध्यम से समकालीन कानूनी चुनौतियों से निपटना होगा।

भारत ने यूएनएससी को सौंपा डोजियार

न्यूयॉर्क, (आरएनएन)। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की 1267 प्रतिबंध समिति में पाकिस्तान के आतंकवादी गिरोह लश्कर-ए-तैय्यबा के संगठन दि रजिस्टेंस फोर्स (टीआरएफ) पर प्रतिबंध लगवाने के मकसद से आयी एक भारतीय तकनीकी टीम ने गुरुवार को यहां संबंधित अधिकारियों से मुलाकात की और टीआरएफ के बारे में एक डोजयिर सौंपा संयुक्त राष्ट्र के एक प्रवक्ता ने भारतीय तकनीकी टीम की यात्रा के बारे बताया कि संयुक्त राष्ट्र आतंकवाद निरोधक कार्यालय के प्रभारी अवर महासचिव व्लादिमीर वोरोनकोव और आतंकवाद निरोधक समिति कार्यकारी निदेशालय की सहायक महासचिव नतालिया गेरमैन ने भारत के एक प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की। प्रवक्ता ने यह भी कहा कि श्री वोरोनकोव और सुश्री गेरमैन ने 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर में हुए आतंकवादी हमले में हताहतों के प्रति संवेदना भी व्यक्त की।

रूसी प्रतिनिधिमंडल के गठन को पुतिन की मंजूरी

मास्को, (आरएनएन)। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने बुधवार को तुर्की की राजधानी इस्तांबुल में यूक्रेन के साथ होने वाली वार्ता के लिए रूसी प्रतिनिधिमंडल की संरचना को मंजूरी दे दी। क्रेमलिन की ओर से जारी बयान के अनुसार प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व रूसी राष्ट्रपति के सहयोगी व्लादिमीर मेडिंस्की करेंगे और इसमें उप विदेश मंत्री मिखाइल गालुजिन, रूसी सेना के जनरल स्टाफ के मुख्य निदेशालय के प्रमुख इगोर कोस्त्युकोव और रूसी उप रक्षा मंत्री अलेक्जेंडर फोमिन शामिल होंगे। प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों के अलावा वार्ता के लिए चार विशेषज्ञों की सूची को भी मंजूरी दी गई। इससे पहले पुतिन ने रविवार को एक बयान में 15 मई को इस्तांबुल में यूक्रेन के साथ सीधी वार्ता फिर से शुरू करने का प्रस्ताव रखा था। इसके बाद यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने कहा था कि वह गुरुवार को तुर्की में होंगे और पुतिन से मिलने की उम्मीद है।

शहीद के परिवार को मिलेंगे चार करोड़ रुपए

पलवल, (आरएनएन)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने गुरुवार को घोषणा की कि भारत के 'ऑपरेशन सिंदूर'के दौरान जम्मू-कश्मीर के पुंछ में पाकिस्तान की गोलीबारी का मुकाबला करते हुए आठ मई को शहीद हुए पलवल के जवान दिनेश कुमार शर्मा के परिवार को चार करोड़ रुपए दिए जाएंगे। सैनी ने जवान के परिजनों से मिलने के बाद स्थानीय मीडिया से बातचीत में कहा कि गांव का नाम 'दिनेशपुर' रखे जाने का भी निर्णय किया गया है और जवान के पिता की सुझाई जमीन पर एक पार्क का निर्माण भी किया जाएगा, जिसका नाम 'ऑपरेशन सिंदूर दिनेश कुमार पार्क' रखा जाएगा। जो जल्दी निर्मित किया जाएगा।

विदेश मंत्री जयशंकर ने पाक से वार्ता के लिए रखी शर्त

आतंकी ठिकाने नष्ट करें, पीओके व सभी आतंकवादी भारत को सौंपे

● नई दिल्ली / आरएनएन

भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने गुरुवार को कहा- सिंधु जल संधि तब तक स्थगित रहेगी जब तक पाकिस्तान स्थायी तौर पर सीमा पार आतंकवाद खत्म नहीं करता। होंडुरास के दूतावास के उद्घाटन के अवसर पर विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि पाकिस्तान के पास आतंकवादियों की लिस्ट है, इन आतंकियों को हमें सौंपे और उनके कैंप खत्म करे। पाकिस्तान के कश्मीर पर चर्चा करने के प्रस्ताव के जवाब में विदेश मंत्री ने कहा कि इस पर चर्चा के लिए केवल एक ही बात बची है। वह है पीओके में अवैध रूप से कब्जाए भारतीय इलाके को खाली करना।

जयशंकर ने जोर देकर कहा कि कश्मीर और पाकिस्तान से जुड़े मामलों में तीसरे पक्ष के हस्तक्षेप को लेकर भारत की पॉलिसी में कोई बदलाव नहीं आया है। पाकिस्तान से हमारी बातचीत पूरी तरह से द्विपक्षीय होगी। इसके साथ ही उसे आतंकियों के ठिकानों को बंद करना होगा। वे जानते हैं कि क्या करना है। हम उनके साथ आतंकवाद के बारे में चर्चा करने के लिए तैयार हैं। सीजफायर को लेकर जयशंकर ने कहा- यह साफ है कि गोलीबारी बंद करने की मांग कौन कर रहा था। हमने आतंकी ढांचे को नष्ट करने के जो टारगेट तय किए थे, उन्हें हासिल कर लिया है।

ट्रम्प से जयशंकर बोले, एक देश को फायदा, दूसरे को घाटा नहीं चलेगा

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि भारत ने अमेरिका को जीरो टैरिफ पर ट्रेड डील का प्रस्ताव दिया है। इस पर विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने गुरुवार को जवाब दिया। उन्होंने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच व्यापार पर बातचीत अभी चल रही है। अभी तक कोई अंतिम समझौता नहीं हुआ है। जयशंकर ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि इस डील के बारे में अभी से कोई राय बनाना ठीक नहीं है। विदेश मंत्री ने कि भारत और अमेरिका के बीच व्यापार को लेकर बातचीत चल रही है। टीम इस पर काम कर रही है। ये बातचीत थोड़ी मुश्किल है। जब तक सब कुछ तय नहीं हो जाता, तब तक कुछ भी तय नहीं है। कोई भी ट्रेड डील दोनों देशों के लिए फायदेमंद होनी चाहिए। ऐसा नहीं हो सकता कि व्यापार से एक देश को फायदा हो और दूसरे को नुकसान।

अंबानी ने ट्रम्प और अमीर शेख से की मुलाकात

रियाद, आरएनएन। रिलायंस उद्योग के अध्यक्ष मुकेश अंबानी ने गुरुवार को दोहा में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और कतर अमीर शेख तमीम बिन हमद अल थानी से मुलाकात की। अमेरिका के राष्ट्रपति पश्चिम एशिया की यात्रा में है। इसमें अमेरिका और कतर के बीच 1.2 लाख करोड़ डॉलर के आर्थिक आदान-प्रदान की घोषणा शामिल है। अंबानी की उपस्थिति रिलायंस इंडस्ट्रीज के वैश्विक पदचिह्नों के विस्तार और कतर निवेश प्राधिकरण जैसी संस्थाओं के साथ इसके रणनीतिक संबंधों को रेखांकित करती है, जिसने रिलायंस उपक्रमों में निवेश किया है और गूगल और मेटा जैसी अमेरिकी तकनीकी दिग्गज कंपनियों के साथ है। रात्रिभोज के दौरान हालांकि कोई औपचारिक व्यापारिक चर्चा नहीं की गई, लेकिन अंबानी को राष्ट्रपति ट्रम्प और अमेरिकी वाणिज्य सचिव स्टीव लुटनिक के साथ चर्चा करते देखा गया। ट्रम्प ने कतर में ऐतिहासिक 1.2 लाख करोड़ डॉलर के आर्थिक साझेदारी का वादा किया, जिसमें यूएस-कतर की कंपनियों के बीच 243.5 अरब डॉलर से अधिक के नए सौदे शामिल हैं।

जगन्नाथ यात्रा के लिए रथ बनने शुरू

पुरी में रथ यात्रा उत्सव से पहले गुरुवार को बढ़ई भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और देवी सुभद्रा के रथों के लिए पहिए तैयार कर रहे हैं। रथ निर्माण का काम इन दिनों द्रुत गति से जारी है।

गुरुग्रामः मानवता को शांति व भाईचारे का संदेश दे रहा है विश्व शांति केंद्र : नायब सिंह सैनी

गुरुग्राम, (हि.स.)। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि विश्व शांति केंद्र पूरी दुनिया को जोड़ने, मानवता को एक सूत्र में पिरोने और शांति व भाईचारे का वातावरण बनाने के लिए उल्लेखनीय कार्य कर रहा है। जैन आचार्य डॉ. लोकेश मुनि द्वारा स्थापित यह विश्व शांति केंद्र उनके आदर्शों को आगे बढ़ाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। मुख्यमंत्री गुरुवार को विश्व शांति केंद्र में पूज्य आचार्य डॉ. लोकेश मुनि जी के दर्शन करने उपरांत केंद्र के सभागार में शक्ति व शांति के संतुलन से राष्ट्र निर्माण संगोष्ठी कार्यक्रम में बोल रहे थे। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि शांति के साथ प्रबल शक्ति भी भारत रखता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सकारात्मक सोच केवल आतंकवाद को समाप्त करने की थी, न कि युद्ध करने की। व्यवस्था पूर्ण तरीके से भारत ने कदम उठाए और आतंकवाद को मिट्टी में मिलाने का काम करते हुए आतंकवाद पर कुठाराघात किया है। विकसित भारत 2047 के लक्ष्य के साथ भारत को आगे बढाने में सरकार ने ठोस निर्णय लिए। देश हर क्षेत्र में आगे बढ़े, इसके लिए प्रधानमंत्री ने सराहनीय दूरगामी सोच को चरितार्थ किया। उन्होंने हाल ही में भारतीय सीमाओं पर हुए हमलों में शहीद हुए वीर जवानों की शहादत को सलाम किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास की नीति के साथ, समाज के हर वर्ग को एकजुट कर एक समरस समाज बनाने की दिशा में आगे बढ़ रही है।

समृद्ध भारत के लिए संस्था निभा रही अपनी जिम्मेदारी : डॉ. लोकेश मुनि विश्व शांति दूत आचार्य डॉ. लोकेश मुनि ने अपने संदेश में कहा कि विश्व शांति केंद्र संचालित संस्था द्वारा समृद्ध भारत के लिए अपना सक्रिय योगदान देते हुए जिम्मेदारी निभाई जा रही है। उन्होंने कहा कि हम शांति का संदेश देते हुए समाज को नई दिशा देने में सजग हैं। उन्होंने कहा कि जैन जीवन शैली आध्यात्मिकता का संदेश देती है। उन्होंने हाल ही में शहीद हुए वीर जवानों की शहादत पर श्रद्धांजलि देते हुए उनके परिवारों को 2-2 लाख रुपये की सहयोग राशि संस्था की ओर से देने की घोषणा की।

बांके बिहारी कॉरिडोर को सुप्रीम कोर्ट से मिली मंजूरी

पैसा मंदिर के खजाने से लिया जाएगा

भगवान के नाम पर होगी जमीन

● मथुरा / आरएनएन

बांके बिहारी मंदिर के खजाने से कॉरिडोर बनाए जाने का रास्ता साफ हो गया है। गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट ने कॉरिडोर बनाने की मंजूरी दे दी। अब 5 एकड़ में भव्य कॉरिडोर बनाया जाएगा।

कोर्ट ने यूपी सरकार को मंदिर के 500 करोड़ रुपए से कॉरिडोर के लिए मंदिर के पास 5 एकड़ जमीन अधिगृहीत करने की इजाजत दी। साथ ही शर्त लगाई कि अधिगृहीत भूमि भगवान के नाम पर पंजीकृत होगी।

मंदिर के खजाने से खरीदी जाएगी कॉरिडोर के लिए जमीन

बांके बिहारी कॉरिडोर बनाने के लिए प्रदेश सरकार मंदिर के खजाने की राशि से कॉरिडोर के लिए जमीन खरीदना चाहती थी। लेकिन, इसका मंदिर के गोस्वामियों ने विरोध किया और मामला हाइकोर्ट पहुंच गया। हाइकोर्ट ने मंदिर के खजाने की राशि के इस्तेमाल पर रोक लगा दी थी। इसके बाद याचिकाकर्ता ईश्वर चंद्र शर्मा सुप्रीम कोर्ट पहुंचे और कॉरिडोर को लेकर याचिका दाखिल की। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को दिए आदेश में कहा कि मंदिर के खजाने से कॉरिडोर की जमीन खरीदने के लिए पैसा लिया जा सकेगा।

एनसीसी कैडेटों के लिए बाधा कोर्स और राइफल सिम्युलेटर का उद्घाटन

गुवाहाटी, 15 मई (हि.स.)। आर्य विद्यापीठ कॉलेज, गुवाहाटी में गुरुवार को एनसीसी कैडेटों के लिए अत्याधुनिक बाधा कोर्स और .22 राइफल फायरिंग सिम्युलेटर का उद्घाटन हुआ। मुख्य अतिथि ब्रिगेडियर अजीत कुमार बोरा, विशिष्ट सेवा मेडल, ग्रुप कमांडर, एनसीसी ग्रुप मुख्यालय गुवाहाटी ने इसका उद्घाटन

किया। यह सुविधा 60 असम गर्ल्स बटालियन एनसीसी की पहल पर शुरू की गई है, जिसमें कॉलेज प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार भट्टाचार्य व एएनओ लेफ्टिनेंट डालिमी देवी का भी विशेष योगदान रहा। यह कोर्स विशेष रूप से थल सैनिक कैंप (टीएससी) की तैयारी कर रहे सीनियर विंग व डिवीजन कैडेटों के लिए बनाया गया है। प्रदर्शनी के दौरान कैडेटों ने नए बाधा कोर्स पर शानदार प्रदर्शन किया, वहीं सिम्युलेटर में ग्रुपिंग फायर, एप्लिकेशन फायर जैसी तकनीकों का डेमो भी हुआ। यह सुविधा अब गुवाहाटी एनसीसी ग्रुप के सभी कैडेट्स के लिए उपलब्ध रहेगी।

सूडोकु नवताल- 7431

मध्यम

		5			8			
	7			3	5			
3						6		
							8	5
	6						1	
4	2							
		1						8
			7	4			3	
			2			7		

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल -7430 का हल

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

5	7	4	1	3	9	6	2	8
2	8	9	6	5	7	1	4	3
3	6	1	2	8	4	5	7	9
9	3	7	8	1	6	4	5	2
6	5	8	4	9	2	3	1	7
1	4	2	5	7	3	8	9	6
7	9	6	3	4	1	2	8	5
4	2	5	9	6	8	7	3	1
8	1	3	7	2	5	9	6	4

48 विभिन्न योजनाओं के शिलान्यास करने पर मंत्री मंगल पांडे को विधायक खेमका ने दिया धन्यवाद

पूर्णिया, (हि.स.)। बिहार सरकार के स्वास्थ्य एवं विधि मंत्री मंगल पांडेय के पूर्णिया आगमन पर परिसदन में सदर विधायक श्री विजय खेमका ने उन्हें अंगवस्त्र भेंट कर गर्मजोशी से स्वागत किया। बरहरा नवनिर्मित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के उद्घटन अवसर पर विधायक विजय खेमका ने जिले के विभिन्न प्रखंडों में स्वास्थ्य विभाग की 48 विभिन्न योजनाओं के शिलान्यास और उद्घाटन के लिए मंत्री जी का आभार प्रकट किया।

उन्होंने विशेष रूप से पूर्णिया मुख्यालय में 2 करोड़ 45 लाख रुपये की लागत से बनने वाले मेडिकल ड्रग वेयरहाउस के शिलान्यास के लिए आभार व्यक्त किया ।

इसके साथ ही विधायक ने ईस्ट ब्लॉक अंतर्गत हरदा और गोरा पंचायत में एक एक उरउ निर्माण सहित शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों के दो दर्जन से अधिक स्थानों पर हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर की स्वीकृति का आग्रह भी मंत्री से किया।

पूर्णिया मेडिकल कॉलेज के भवन का विस्तार

तथा नए भवन में आईपीडी को स्थानांतरित करने की बात मा0 मंत्री से विधायक ने की। मंत्री मंगल पांडेय ने आश्वस्त किया की एनडीए सरकार के कार्यकाल में स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य हुआ है और स्वीकृत योजनाओं पर तेजी से काम हो रहा है। उन्होंने कहा कि आम लोगों को बेहतर इलाज सुविधा उपलब्ध कराने के लिए सरकार हरसंभव कदम उठाएगी ।

तुर्की और अजरबैजान के बहिष्कार में पूर्वोत्तर भारत भी आया आगे : स्वदेशी जागरण मंच

अगरतला, (हि.स.)। स्वदेशी जागरण मंच (एसजेएम) के पूर्वोत्तर चैप्टर ने तुर्की और अजरबैजान के खिलाफ देशव्यापी बहिष्कार अभियान को अपना पूरा समर्थन देने की घोषणा की है। एसजेएम ने क्षेत्र के नागरिकों और व्यवसायों से अपील की है कि वे इन दोनों देशों के साथ सभी प्रकार की यात्रा और व्यापार को निलंबित करें। यह कदम हाल ही में भारत-पाकिस्तान तनाव के दौरान तुर्की और अजरबैजान द्वारा पाकिस्तान को खुले समर्थन और तुर्की के सैन्य ड्रोन के इस्तेमाल के विरोध में उठाया गया है। जारी एक बयान में स्वदेशी जागरण मंच के पूर्वोत्तर भारत क्षेत्र संयोजक प्रो. दीपक शर्मा ने कहा, ह्लपूर्वोत्तर भारत तुर्की और अजरबैजान के बहिष्कार में देश के बाकी देशों हिस्सों के साथ खड़ा है। हम क्षेत्र के सभी नागरिकों और व्यवसायियों से अपील करते हैं कि जब तक ये देश भारत की संप्रभुता और सुरक्षा चिंताओं का सम्मान नहीं करते, तब तक उनके साथ यात्रा और व्यापार से बचें। प्रो. दीपक शर्मा ने रेडीमेड कपड़े की जारा, एडिडास, नाइक जैसे बड़ी विदेशी कंपनियों द्वारा तुर्कियों में बने रेडीमेड कपड़े भारत में लाकर बेचने पर भी रोक लगाने एवं इनका बायकॉट करने की अपील की। एसजेएम ने यह भी उल्लेख किया कि भारत ने 2023 के विनाशकारी भूकंप के दौरान तुर्की को मानवीय सहायता प्रदान की थी, लेकिन अब तुर्की का पाकिस्तान के साथ बढ़ता सैन्य गठजोड़ भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए सीधा खतरा है। संगठन ने तुर्की और अजरबैजान के खिलाफ तत्काल आर्थिक प्रतिबंध, उड़ानों के निलंबन, पर्यटन और आयात पर रोक लगाने की मांग की है, जैसा कि देशभर में पहले से ही देखा जा रहा है। पूर्वोत्तर भारत के व्यापारी और ट्रैवल ऑपरेटर भी इस बहिष्कार अभियान में सक्रिय रूप से भाग ले रहे हैं, बुकिंग रद्द कर रहे हैं और तुर्की एवं अजरबैजान के साथ व्यापारिक संबंधों को निलंबित कर रहे हैं।

शब्द पहेली - 8494

1	2		3	■	4		5	■
6		■		■		■	7	8
	■	9		10		■	■	
11			■		■	12		
■	■	13		■	14		■	■
15			■	16	■	17		18
	■	■	19		20		■	
21	22	■		■		■	23	
■	24			■	25			

बाएँ से दाएँ

1. कलाकार, अदाकार-4
4. फूलों की छोटी माला, वेणी-3
6. पैर, पांव-2
7. अधिकार-2
9. खानाबदोश, बंजारा-4
11. राशन, खाद्य सामग्री-3
12. टेसू के फूल-3
13. कपोल, रुखसार-2
14. विजय-2
15. डोली उठाने वाले-3
17. जल प्रपात-3
18. गठबंधन-4
21. पानी, जल-2
23. नौका-2
24. देह, काया, शरीर-3
25. अगुवा, राह दिखाने वाला-4

ऊपर से नीचे

1. उपवास का खाना-4
2. झुका हुआ-2
3. व्यवहार-3
4. समयघोष-3
5. मार्ग, पथ-2
8. गागर, घड़ा, घट-3
9. स्मारक-4
10. हत्या, कत्ल-2
12. पत्तों के गिरने का मौसम-4
15. कथा, गाथा-3
16. अष्टम-2
18. नामचीन-4
19. रवाना होना-3
20. विदूषक, मसखरा-3
22. ईश्वर, भगवान-2
23. बटन, स्विच-2

शब्द पहेली -8493 का हल

■	र	ह	म	त	■	म	■	■
■	ह	■	द	■	प	न	घ	ट
स	ब	ल	■	वी	रा	न	■	क
■	र	की	ब	■	या	■	ना	रा
स	■	र	ज	त	प	ट	■	व
र	वि	■	ब	■	न	ह	र	■
ह	■	म	जा	क	■	नी	वा	ला
द	फ	ना	ना	■	सा	■	य	■
■	■	ही	■	ग	फ	ल	त	■

Jagrutidaur.com, Bangalore

संपादकीय

डोनाल्ड ट्रंप का खोखला दावा और सशक्त भारत

आम तौर पर पूरी दुनिया में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को अपने बड़बोलेपन के लिए जाना जाता है। बड़बोले पन साथ उनका उतावलापन भी काफी प्रसिद्ध है। अपने पहले कार्यकाल में उनके इसी व्यवहार से ऊबकर अमेरिका की जनता ने उन्हें बुरी तरह से हरा दिया था। वे अपनी उस हार को भी नहीं पचा पाये थे। उन्होंने हार जाने के बावजूद पद छोड़ने में बहुत हीलाहवाली की थी। उनके समर्थक तो व्हाइट हाउस में घुसकर जमकर उत्पात मचाया था। उस समय उनके और समर्थकों के ऊपर कई मुकदमें दर्ज किये गये थे। जो आज भी ट्रंप पर जारी हैं।

राष्ट्रपति पद पर दूसरी बार जीतने के बाद अमेरिका और दुनिया के लोग आशा कर रहे थे कि इस बार डोनाल्ड ट्रंप अपनी पुरानी ओछी हरकतों से बाज आयेगें और अमेरिका जैसे देश के राष्ट्रपति के रूप में एक अनुशासित और गम्भीर व्यक्ति की तरह व्यवहार करेंगे। लेकिन ट्रंप के व्यवहार में अब भी किसी तरह का परिवर्तन नहीं आया है। वे उसी तरह अपने बड़बोले पन और ओछी हरकतों से बाज नहीं आ रहें हैं।

राष्ट्रपति ट्रंप के इस गैर जिम्मेदार और बड़बोलेपन वाले व्यवहार का ताजा प्रमाण भारत-पाक तनाव को लेकर उनके द्वारा किया जा रहा खोखला दावा है। विगत सात भई को भारत-पाक तनाव के दौरान भारत ने जिस तरह से पाकिस्तान के अंदर नौ अड्डों को नष्ट किया और सौ अधिक खूंखार आतंकवादियों को मारा गिराया। 11 से अधिक पाकिस्तानी एयरबेसों को ध्वस्त कर कर दिया गया। इतना ही नहीं पाकिस्तानी के परमाणु बमों एवं संयंत्रों पर भी नष्ट होने का खतरा पैदा हो गया, तब पाकिस्तान ने युद्ध रुकवाने के लिए अमेरिका से गुहार लगायी।

इसके पहले अमेरिका के उपराष्ट्रपति ने भारत-पाक युद्ध के में बीच बचाव करने से मना करते हुए कहा था कि इससे अमेरिका का कुछ लेना-देना नहीं है। लेकिन पाकिस्तान के बार-बार गिड़गिड़ाने के बाद जब अमेरिकी विदेशमंत्री ने भारत से युद्ध रोकने का अनुरोध किया गया, तब भारत की ओर से साफ कह दिया गया कि हमें भारत-पाक के बीच किसी तीसरे पक्ष का हस्तक्षेप स्वीकार्य नहीं है। तब अमेरिका ने पाकिस्तान को भारत से सीधे बार्ता करने को कहा। इसके बाद पाकिस्तान के डीजीएमएओ ने भारत के डीजीएमओ से बात किया। तब भारत ने आपसी समझदारी के तहत युद्ध स्थभाति करने का निर्णय लिया, वह भी मात्र 48 के लिए।

लेकिन इस बारे में भारत की ओर से कोई औपचारीक घोषणा की जाती, उससे चन्द मिनटों पहले ही बड़बोले अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने ट्विटर पर घोषणा करके घोषित कर दिया कि हमने भारत-पाक के बीच युद्ध रुकवा दिया है।

इसके बाद भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने 12 मई के सम्बोधन में साफ-साफ कह दिया कि भारत ने अपनी शर्तों पर आतंकवाद के विरुद्ध लड़ाई स्थगित किया है। आतंक वाद के विरुद्ध शुरू किया आपरेशन सिन्दूर लगातार जारी है। भारत अब आतंकवादी और उनके सरपरस्त आकाओं में कोई अंतर नहीं करेगा उन्होंने यह साफ कर दिया है कि पाकिस्तान से अब केवल आतंकवाद और कश्मीर पर बात होगी, जिसमें किसी तीसरे मध्यस्थ की आवश्यकता नहीं। भारत जो भी करेगा अपने दम पर करेगा।

लेकिन अमेरिका के राष्ट्रपति अपने बड़बोले पन से बाज नहीं आ रहे हैं। वे लगातार कर रहे हैं कि हमने भारत -पाक के बीच संभावित परमाणु युद्ध को रोकना कर लाखों लोगों की जान बचाई है। ट्रंप यह भी दावाकर रहे हैं कि मैने व्यापार रोकने की धमकी देकर युद्ध रुकवा दिया है ।निश्चित रूप से ट्रंप का भारत पर दबाव बनाने का दावा झूठा और अतिशयोक्तिपूर्ण है ।आज का भारत शक्तिशाली और आत्मा निर्भर भारत है जो किसी के दबाव के आगे झुकने वाला नहीं है।अब भारत को व्यापार रोकने की धमकी देकर उसे अपने आतंकवाद के विरुध्द चलाये जारहे अभियान आपरेशन सिन्दूर को चलाने से कोई नहीं रोक सकता ।

पाक के हक में अरुणाचल की चाल

ऐसे वक्त में जब पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने ह्यऑपरेशन सिंदूर के जरिये पाक को सबक सिखाया है, चीन प्रत्यक्ष व परोक्ष तौर पर पाकिस्तान का समर्थन करता नजर आ रहा है। चीन-पाक की दुरभिसंधि दशकों पुरानी है लेकिन उसकी हालिया करतूतों की टाइमिंग को लेकर सवाल उठ रहे हैं। वह न केवल पाकिस्तान की सैन्य व आर्थिक मदद ही कर रहा है बल्कि चीनी सरकारी मीडिया भी कुप्रचार व भ्रामक समाचार फैलाने में पाक के साथ खड़ा नजर आ रहा है। अब उसने अपनी नई करतूत अरुणाचल प्रदेश के स्थानों का नाम बदलकर उजागर की है। हालांकि, ऐसा पहली बार नहीं हुआ है। लगातार तीसरे साल चीन ने भारतीय राज्य अरुणाचल प्रदेश के स्थानों का नाम बदला है। चीन अरुणाचल को जांगनान के नाम से दशार्ता है। वहीं इसे तिब्बत के दक्षिणी हिस्से के रूप में होने का दावा करता है। जैसा कि उम्मीद भी थी, भारत सरकार ने चीन के इन बेतुके दावों को सिरे से खारिज कर दिया है। नई दिल्ली ने बीजिंग के इस बेतुके-निराधार दावे को सिरे से नकार दिया है। भारत सरकार ने फिर से दोहराया है कि अरुणाचल भारत का अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा था और हमेशा रहेगा। दरअसल, चिंता की बात यह है कि चीन ने यह करतूत ऐसे समय में की है जब पहलगाम हमले और उसके जवाब में सफल ह्यऑपरेशन सिंदूरह्ल के चलते भारत-पाक के बीच तनाव कायम है। निश्चय ही इन स्थितियों में चीन का यह भड़काऊ कदम है। यहां उल्लेखनीय है कि भारतीय उपमहाद्वीप में हाल ही में हुई उथल-पुथल के दौरान पाकिस्तान को उसके सदाबहार दोस्त बीजिंग का भरपूर समर्थन मिला है। जिससे पता चलता है कि अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर भारत से दोस्ती का हाथ बढ़ाने तथा व्यापार-कारोबार बढ़ाने की बात करने वाला चीन भारत के प्रति कैसी दुर्भावना रखता है। भले ही वह वैश्विक संगठनों व मंचों पर भारत के साथ खड़ा होने का दावा करता हो।

निस्संदेह, ऐसी घटनाएं हमें सतर्क करती हैं कि चीन के साथ मैत्री संबंधों के निर्धारण के दौरान हमें सजग व सचेत रहना चाहिए। अन्यथा चीन पीठ पर वार करने से नहीं चूकने वाला है। बीते वर्ष विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने व्यंग्यात्मक लहजे में एक सवाल पूछा था, ह्यअगर आज मैं आपके घर का नाम बदल दूं तो क्या वो मेरा हो जाएगा? लेकिन निर्विवाद रूप से चीन ने विदेश मंत्री के इस संदेश को नजरअंदाज ही किया है। इतना ही नहीं वह फिर से भौगोलिक क्षेत्रों के नामों के मनमाने मानकीकरण के साथ आगे बढ़ गया है। लेकिन सवाल इस करतूत के समय का है। जाहिर बात है कि बीजिंग ने ऐसा न केवल चुनौतीपूर्ण समय में भारत का ध्यान भटकाने के लिये किया है, बल्कि पाकिस्तान के साथ एकजुटता दिखाने के लिये भी किया है। उस पाकिस्तान को, जिसे प्रधानमंत्री मोदी ने सोमवार को राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में कड़ी चेतावनी दी थी। प्रधानमंत्री ने सिर्फ और सिर्फ पाकिस्तान द्वारा कब्जाए कश्मीर पर ही बातचीत करने की बात कही थी। ऐसे में चीन ने अरुणाचल पर अपने क्षेत्रीय दावे से फिर से पाकिस्तान का मनोबल बढ़ाने का कुत्सित प्रयास किया। यह जानते हुए भी उसके दावे निराधार हैं। वहीं दूसरी ओर मोदी सरकार ने चीन के सरकारी मीडिया, खासकर ग्लोबल टाइम्स द्वारा कथित तौर पर फैलाए जा रहे पाकिस्तानी दुष्प्रचार के मामले को गंभीरता ले लिया है। गत सात मई को, चीन स्थित भारतीय दूतावास ने ग्लोबल टाइम्स को इस बात के लिये फटकार लगायी थी कि उसने तथ्यों और स्रोतों को पुष्टि किए बिना पाकिस्तान की सेना द्वारा भारतीय लड़ाकू विमान को मार गिराए जाने की रिपोर्ट दी थी। दिल्ली ने बुधवार को भारत में चीनी मुखपत्र ग्लोबल टाइम्स के एक्स-अकाउंट हैंडल को कुछ घंटों के लिये ब्लॉक कर दिया था। निस्संदेह, चीनी शरारतें उनके नेताओं के भारत के प्रति हाल के प्रयासों के विपरीत हैं। ऐसे में चीनी विदेश मंत्री वांग यी द्वारा परिकल्पित ड्रैगन और हाथी के बीच दोस्ती का प्रपंच तब तक एक दूर का सपना ही रहेगा, जब तक कि चीन पाकिस्तान को बचाने के प्रयासों में लगा रहेगा।

घबराने की नहीं, सावधान रहने की जरूरत

श्वेता गोयल

डेंगू एक ऐसी गंभीर बीमारी है, जिसके चलते हर साल काफी संख्या में लोगों की मौत हो जाती है। हर साल देश के विभिन्न राज्यों के अनेक इलाके डेंगू और वायरल बुखार के कोप से त्राहि-त्राहि करते नजर आते हैं और हम इस बेबसी पर केवल आंसू ही बहाते रह जाते हैं। इसीलिए स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा प्रतिवर्ष लोगों में डेंगू को लेकर जागरुकता पैदा करने के उद्देश्य से 16 मई को राष्ट्रीय डेंगू दिवस मनाया जाता है। डेंगू के लगातार सामने आते मामलों को देखते हुए डेंगू से बचाव को लेकर अत्यधिक सावधान रहने की जरूरत है क्योंकि अभी तक इसकी कोई वेक्सीन नहीं बनी है। इसलिए डेंगू से बचाव के उपाय ही सबसे अहम हैं। मानसून के साथ डेंगू और चिकनगुनिया फैलाने वाले मच्छरों के पनपने का मौसम शुरू होता है।

डेंगू की बीमारी कितनी भयावह हो सकती है, इसका अनुमान इसी लगाया जा सकता है कि समय पर उपचार नहीं मिलने के कारण डेंगू पीड़ित की मौत भी हो जाती है। पिछले साल देश के विभिन्न राज्यों और विशेषकर उत्तर प्रदेश में डेंगू से पीड़ित हुए कई मरीजों की मौत के आंकड़े इसकी पुष्टि भी करते हैं। वैसे देश में डेंगू का जो प्रकोप देखा जाता रहा है, वह कोई नई बात नहीं है। बल्कि प्रतिवर्ष मानूसन के दौरान और उसकी विदाई के बीच डेंगू और मच्छर जनित बीमारियों का बोलबाला बहुत ही सामान्य सी बात है। इसके बावजूद हर साल की वही कहानी और डेंगू के कारण होती सैंकड़ों मौतों के आंकड़े शासन-प्रशासन से लेकर सामुदायिक स्तर पर होती लापरवाही को ही स्पष्ट परिलक्षित करते रहे हैं। चिंता की बात यह है कि अब डेंगू के मामले केवल मौसम विशेष तक ही सीमित नहीं रहे

बल्कि सालभर सामने आते रहते हैं।

तमाम दूसरी बीमारियों की ही तरह डेंगू से बचाव का भी सबसे आसान और कारगर उपाय यही है कि उसकी चपेट में ही न आया जाए और इसके लिए अपेक्षित सावधानियां बरती जाएं। चूंकि डेंगू मच्छरों के कारण फैलता है और मच्छर प्रायः गंदगी और ठहरे हुए पानी में पनपते हैं, इसलिए सबसे जरूरी तो यही है कि डेंगू से बचने के लिए अपने आसपास स्वच्छता का पर्याप्त ध्यान रखा जाए। फिर भी यदि कोई व्यक्ति इस बीमारी की जद में आ जाए तो उसे बिना देर किए अपना उपचार शुरू कर देना चाहिए। यदि समय से सही इलाज नहीं मिले तो डेंगू अमूमन चार-पांच दिनों में ही गंभीर रूप धारण कर लेता है। हालांकि कई बार कुछ मरीजों को बुखार आना बंद हो जाता है और ऐसी स्थिति में यही लगता है कि मरीज डेंगू से उबर गया।

ऐसे अधिकांश मामलों में लापरवाही मरीज की जान पर भारी पड़ जाती है। किसी भी व्यक्ति में डेंगू के शुरूआती लक्षण उभरने के बाद ऐसी विकट परिस्थितियों से सामना न हो, उसके लिए जरूरी है कि लोगों को डेंगू से बचाव के लिए जागरूक करने पर विशेष जोर दिया जाए। दरअसल जानलेवा डेंगू से बचने के लिए सावधानी और सतर्कता बेहद जरूरी है। डेंगू हो या मच्छर जनित अन्य बीमारियां, उनसे बचने के

लिए अपने आसपास के स्थान की समुचित साफ-सफाई करने को अपनी आदतों का हिस्सा बना लेना अत्यंत आवश्यक है। अमूमन देखा जाता है कि लोग अपने घरों की साफ-सफाई तो कर लेते हैं किन्तु आस-पड़ोस की उन्हें कोई फिक्र नहीं होती।

इस स्तर पर बरती जाने वाली लापरवाही प्रायः बहुत भारी पड़ती है। यदि किसी व्यक्ति को डेंगू हो भी जाए तो सबसे जरूरी है उसकी डाइट पर विशेष ध्यान दिया जाए और उसके इम्यून सिस्टम को सही रखने का भी प्रयास किया जाए। डेंगू के मरीज को संतुलित और पौष्टिक आहार ही दिया जाना चाहिए। डेंगू के उपचार में बहुत से लोग घरेलू नुस्खों का भी सहारा लेते हैं और इन नुस्खों में तुलसी का उपयोग बहुत फायदेमंद माना जाता है। इसके अलावा डेंगू हो जाने पर घरेलू नुस्खों में नारियल पानी एक अच्छा विकल्प है, जिसे शरीर में रक्त कोशिकाओं की कमी को पूरा करने में मददगार माना जाता है। दरअसल नारियल पानी में काफी मात्रा में इलेक्ट्रोलाइट्स के अलावा बहुत सारे खनिज पदार्थ भी होते हैं।

डेंगू के उपचार में विटामिन सी से भरपूर वस्तुओं का उपयोग भी बहुत लाभकारी माना गया है, जो शरीर के रोग प्रतिरोधी तंत्र को मजबूत बनाए रखती हैं। इसलिए डेंगू हो जाने पर विटामिन सी से भरपूर फलों का सेवन करना लाभकारी है। इसके बावजूद मरीज की स्थिति में कोई सुधार नजर नहीं आए तो तुरंत अपने चिकित्सक या नजदीकी अस्पताल से सम्पर्क करना चाहिए।

पाकिस्तान में सुलग रहा विभाजन का लावा

सुरेश हिंदुस्तानी

दुनिया में आतंकिस्तान के नाम से कुख्यात पाकिस्तान की धरती में इस समय विभाजन का लावा सुलग रहा है। यह अलग बात है कि भारत के जम्मू-कश्मीर के पहलगांव में हुए आतंकी हमले के बाद आखिरकार युद्ध विराम हो गया, इससे पाकिस्तान खुश हो सकता है पर इस दौरान उसकी सरजमीं में ऐसा बहुत कुछ घटा है कि बलूचिस्तान उसके हाथ से फिसलता नजर आ रहा है। इस युद्ध विराम के बाद फिर पुराने सवाल उठने लगे हैं कि क्या आतंक को संरक्षण देने वाले पाकिस्तान पर विश्वास किया जा सकता है। यह सवाल इसलिए भी उठ रहा है, क्योंकि पूर्व में ऐसा कहने के बाद भी हर बार पाकिस्तान की ओर से कश्मीर में आतंकी घटनाएं की जाती रही हैं। पहलगांव में आतंकवादियों ने निर्दोष पर्यटकों को मौत के घाट उतार दिया। इसके बाद हुई भारत की जवाबी कार्रवाई से पाकिस्तान पस्त हो गया। पाकिस्तान सरकार की ओर से युद्ध विराम के बारे में कहा गया कि इस समय पाकिस्तान को बचाने की जरूरत है। इस कथन का स्पष्ट आशय यह भी निकाला जा सकता है कि अगर युद्ध जारी रहता तो पाकिस्तान नाम का देश इस धरती पर नहीं रहता। इसलिए पाकिस्तान ने अपने देश को बचाने के लिए ही यह रास्ता चुना। अमेरिका ने इस मामले में दखल देते हुए दोनों देशों के बीच सहमति बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। भारत की ओर से हमेशा यही कहा गया कि भारत आतंकवाद को समाप्त करने के लिए अपना अभियान चला रहा है। इस

मामले में विश्व के अधिकांश देश भारत के साथ खड़े होते दिखाई दिए, वहीं पाकिस्तान अकेला हो गया।

इससे पाकिस्तान निराश हो गया। इसके अलावा एक महत्वपूर्ण तथ्य यह भी माना जा सकता है कि पाकिस्तान के ऊपर ग्रे सूची में आने का खतरा बढ़ता जा रहा था। एफएटीएफ की ओर से पाकिस्तान का ऐसी चेतावनी भी दे दी गई थी। अगर पाकिस्तान ग्रे सूची में आता तो उस पर कई प्रकार के प्रतिबंध लग सकते थे, जो पाकिस्तान के हित में नहीं होते। इस समय पाकिस्तान के अंदर ही अंदर जो लावा सुलग रहा है, उससे उसे बचने का कोई रास्ता दिखाई नहीं दे रहा है। भारत की ओर से की गई जवाबी कार्रवाई के दौरान ब्लूचिस्तान ने अपनी आजादी की लड़ाई को जारी रखते हुए पाकिस्तान की सेना को अपना निशाना बनाया।

यानी पाकिस्तान एक तरफ भारत से लड़ाई लड़ रहा था, वहीं दूसरी ओर उसे अपने ही देश में ब्लूचिस्तान की ओर से कड़ी चुनौती मिल रही थी। पाकिस्तान का आरोप है कि ब्लूचिस्तान को भारत भड़का रहा है।

इसे सच नहीं माना जा सकता, क्योंकि ब्लूचिस्तान यह लड़ाई लम्बे समय से लड़ रहा है। अभी कुछ महीने पहले ही बीएलए के सैनिकों ने पाकिस्तान की ट्रेन को हाईजैक करके पाकिस्तानी सैनिकों को मौत के घाट उतार दिया था। अब यही कहा जा सकता है कि ब्लूचिस्तान शायद ही पाकिस्तान में रहे। ऐसे में सवाल यह भी है कि क्या पाकिस्तान विभाजन के रास्ते पर चल रहा है? क्योंकि पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में भी ऐसी ही स्थिति दिखाई देती है। कई विश्लेषक यह दावा कररहे हैं कि पाकिस्तान चार टुकड़ों में विभाजित हो जाएगा।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ अपने ही देश की जनता के निशाने पर हैं। इसके अलावा पाकिस्तान की सेना और सेना के साथ कदम मिलाने वाले आतंकी संगठन सरकार के युद्ध विराम वाले निर्णय से नाखुश हैं। इसका परिणाम क्या होगा, यह तो आने वाला समय ही बताने में समर्थ होगा।

लेकिन यह पाकिस्तान की वास्तविकता है कि युद्ध जैसी स्थिति बनने के बाद सेना और आतंकियों ने सरकार के समक्ष गंभीर संकट पैदा किया है। इस बार जंग के हालात पैदा करने के लिए पाकिस्तान की जनता सरकार और सेना प्रमुख को ही पूरी तरह से दोषी मान रही है।

उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान के सेना प्रमुख असीम मुनीर ने पहलगांव की घटना से तीन दिन पूर्व कहा था कि हिन्दू और मुसलमान एक साथ कभी नहीं रह सकते।

भारत का कश्मीर पाकिस्तान के गले की नस है। सेना प्रमुख का यह बयान मुसलमानों को भड़काने जैसा ही था। इसलिए पहलगांव की घटना को इसी बयान की प्रतिक्रिया स्वरूप माना जा रहा है। पहलगांव की आतंकी घटना के बाद भारत के ऑपरेशन सिंदूर ने पाकिस्तान के छक्के छुड़ा दिए हैं। पाकिस्तान में भारत पर हमले के लिए तैयार बैठे आतंकी ठिकानों को जमींदोज कर दिया गया। ऑपरेशन सिंदूर ने इनको जिंदा ही जमीन पर दफन कर दिया।

भारत की जवाबी कार्रवाई में 100 से ज्यादा आतंकी मारे गए। यह पाकिस्तान के लिए जबरदस्त आघात रहा। वह और आतंकियों के आका खून के आंसू रोए। क्योंकि पाकिस्तान की सरकार और सेना इन्हीं आतंकियों के दम पर भारत को आंखें दिखा रही थी।

दुनिया को समझना होगा भारत का 'न्यू नॉर्मल'

डॉ. आशीष वशिष्ठ

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुद्ध पूर्णिमा पर राष्ट्र के नाम अपने 22 मिनट के संबोधन में पाकिस्तान को स्पष्टतः चेताया कि अगर हमारे भारत की ओर आंख उठाकर भी देखा तो वो हश्र होगा कि दुनिया याद करेगी। राष्ट्र के नाम संदेश के अगले दिन प्रधानमंत्री ने आदमपुर एयर बेस पहुंचकर जवानों का उत्साह और मनोबल बढ़ाया। आदमपुर में प्रधानमंत्री के साथ समवेत स्वर में जब जवानों ने भारत माता की जय का उद्घोष किया तो उस निनाद की गूंज और प्रतिध्वनि पाकिस्तान ही नहीं अखिल विश्व ने स्पष्ट तौर पर सुनी।

प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में जितनी स्पष्टवादिता, दृढ़ता और विश्वास के साथ सधे और नपे–तुले शब्दों में अपनी बात विश्व के समक्ष रखी है, ऐसा साहस उनका कोई पूर्ववर्ती दिखा नही सका। पाकिस्तान के साथ अब तक हुए चार युद्ध, बालाकोट और उरी स्ट्राइक में उसे इतने गहरे घाव नहीं लगे, जितने ऑपरेशन सिंदूर ने उसे दिये।

अपने स्वभाव से विवश पाकिस्तान पहलगाम आतंकी घटना के बाद इसी सोच के साथ रहा होगा, भारत प्रत्युत्तर में अधिक से अधिक एयर स्ट्राइक या उरी जैसा आक्रमण करेगा। लेकिन उसके अनुमान और विचार धरे के धरे रह गए। और भारत ने जो विध्वंस आपरेशन सिंदूर के माध्यम से मचाया, उसकी कल्पना भी आतंकियों और उनके जन्मदाताओं एवं शरणदाताओं की कल्पना से भी परे थी।

भारत ने लड़ाई के मोर्चे पर ही नहीं, बल्कि सिंधु जल संधि को स्थगित करने जैसा ऐतिहासिक और साहसी कदम भी उठाया। 1965, 1971 और 1999 कारगिल युद्ध और तमाम छोटी–बड़ी आतंकी घटनाओं में पाकिस्तान की स्पष्ट भूमिका के उपरांत सिंधु जल संधि स्थगित करने का साहस भारत दिखा नहीं पाया। बालाकोट और उसी स्ट्राइक, जम्मू कश्मीर में धारा 370 को खत्म करने जैसे बड़े कदम उठाने के बाद भी पाकिस्तान भारत को हल्के में लेता रहा।

वास्तव में त्रुटि पाकिस्तान की नहीं, हमारी ही रही। हमारे देश के भीतर एक ऐसी मंडली हैं, जिनके हृदय में भारत से अधिक पाकिस्तान के लिये प्रेम, पक्षपात और दयाभावना उछाल मारती है। यही मंडली हर आतंकी घटना के बाद भारत पाकिस्तान के विरुद्ध कड़े कदम उठाने का प्रपंच और स्वांग रचती है। प्रोपेगेंडा करने और नैरेटिव गढ़ने में इस मंडली को महारत प्राप्त है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद भी ये मंडली सक्रिय हो गई थी। वो अलग बात है कि इस बार यह अपना एजेंडा चलाने में सफल नहीं हुई। वहीं पाकिस्तान को सख्त सबक सिखाने की बजाय जुबानी जमा खर्च ज्यादा करने की जो परंपरा नेहरू-इंदिरा के शासन में फली फूली, 2014 में मोदी सरकार के गठन से पूर्व तक भारत उसी नीति का सिर झुकाकर अनुसरण करता रहा।

पहलगाम आतंकी हमले के बाद भी पाकिस्तान को प्रत्युत्तर में एयर स्ट्राइक से अधिक की उम्मीद नहीं थी। उसे लग रहा था भारत की सत्ता संभालने वालों में बड़े, प्रभावशाली और कठोर निर्णय लेने का राजनीतिक साहस नहीं है। लेकिन पाकिस्तान पता नहीं यह कैसे भूल गया कि प्रधानमंत्री मोदी खतरे उठाने और साहसी निर्णय लेने के लिए जाने जाते हैं। उनकी प्रसिद्धि, साख और लोकप्रियता की यूएसपी जोखिम उठाना ही तो है। प्रधानमंत्री की दृढ़ राजनीतिक इच्छा शक्ति का समर्थन पाकर हमारे वीर जवानों ने ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से भारत ने पाकिस्तान को उदाहरण के साथ अच्छे से समझा दिया है कि अब खेल बदल चुका है। खेल के खिलाड़ी बदल चुके हैं। भारत की सत्ता जिनके हाथों में हैं, उनका नारा नेशन फर्स्ट का है।ऑपरेशन सिंदूर के रूप में भारत ने ना केवल आतंक के पोषक और जनक पाकिस्तान को करारा उत्तर दिया, बल्कि एक नया सैन्य और रणनीतिक सिद्धांत स्थापित कर दिया। 7 से 10 मई के बीच चार दिनों तक चले इस सीमित, लेकिन तीव्र सैन्य अभियान ने न केवल पाकिस्तान को सैन्य रूप से झकझोर कर रख दिया, बल्कि वैश्विक मंच पर भारत की साख, क्षमता और इच्छाशक्ति का ऐसा प्रदर्शन किया जो दशकों में पहली बार देखा गया। ऑपरेशन सिंदूर से भारत ने यह स्पष्ट कर दिया कि आतंक के विरुद्ध अब वह चुप नहीं बैठेगा, घर के भीतर घुसकर मारेगा।

पहलगाम घटना के बाद भारत ने बातें नहीं की, डोजियर सौंपने की तैयार नहीं की, सीधे घर में घुसकर मारा, पर नहीं, उनके ड्रोन कंट्रोल सेंटर और एयरबेस तक को निशाना बनाया। ये दिखाने के लिए कि अगर आवश्यकता पड़ी, तो भारत सीधे उनके सीने तक पहुंच सकता है। ऑपरेशन सिंदूर का उद्देश्य बहुत स्पष्ट था- आतंक का ढांचा तोड़ना, अपनी सैन्य ताकत दिखाना, शत्रु को पुनः सोचने के लिए विवश करना और विश्व को यह बताना कि यह परिवर्तित भारत है। और यह परिवर्तित भारत अब नई सुरक्षा नीति पर चल रहा है।

यह बदला हुआ भारत है, भारत के इस बदले हुए मिजाज और कड़े निर्णय लेने के साहस को पाकिस्तान समझने से चूक गया। जिसका परिणाम संपूर्ण विश्व के समक्ष है। भारत ने घर में घुसकर जब चाहा, जहां चाहा, वहां हमला किया। आतंकी खत्म किए, आतंक के ठिकाने ध्वस्त किए और पाकिस्तान के सैन्य हमलों को अपाहिज और पंगु बना डाला। भारतीय सेना और हमारे डिफेंस सिस्टम की श्रेष्ठता और सटीकता ने पाकिस्तान ही नहीं उसके सहयोगियों और हितैषी अमेरिका, चीन और तुर्की के जेट फाइटर, ड्रोन्स, एयर डिफेंस सिस्टम और आयुध की निम्न गुणवत्ता को अनावृत कर डाला।

पाकिस्तान में फलने फूलने वाले आतंकियों को कड़ी सीख देने के लिए अच्छी तरह चिंतन-मंथन के बाद ऑपरेशन सिंदूर संचालित हुआ। इसे स्वैच्छिक युद्ध में परिवर्तित नहीं होने दिया गया, लेकिन आतंक को कठोर उत्तर भी दे दिया गया। भारत ने ये दिखा दिया कि अब युद्ध का अर्थ केवल बम-विस्फोट और सीमा लांघना नहीं होता। अब लड़ाई सोच-समझकर, सीमित परिधि में और स्पष्ट उद्देश्य के साथ लड़ी जाती है।

ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम ने विश्व समुदाय को स्पष्ट तौर पर बता दिया गया कि अब हम किसी और के आश्रित नहीं है। ना अमेरिका की ओर देखा, ना रूस से पूछा और ना ही संयुक्त राष्ट्र से कोई सहायता मांगी। जो करना था, स्वयं उसकी कार्ययोजना बनाई और स्वयं ही उसे धरती पर उतारा। ये वही भारत है जो कभी हमलों के बाद बयान देता था और अंतरराष्ट्रीय सहायता की प्रतीक्षा करता था। लेकिन इस बार भारत ने ये दिखा दिया कि अब हम अपने निर्णय स्वयं लेते हैं और अपनी लड़ाई स्वयं अपने सामर्थ्य से लड़ते हैं। यह भारत की रणनीतिक आत्मनिर्भरता का स्पष्ट संकेत है, यानी अब हम दूसरों की सहमति या सहायता पर नहीं, अपनी सोच, शक्ति, सामर्थ्य और साधनों पर विश्वास करते हैं।

ऑपरेशन सिंदूर का उद्देश्य ना राष्ट्र पर आधिपत्य की कामना थी, ना किसी सरकार गिराने या परिवर्तन की। एकमात्र बात विश्व को बतानी थी कि यदि भारत पर आक्रमण हुआ, तो उत्तर अवश्य मिलेगा और ऐसा मिलेगा कि पुनः सोचने पर विवश कर देगा। अब भारत की लड़ाई का ढंग परिवर्तित हो गया है।

> प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में जितनी स्पष्टवादिता, दृढ़ता और विश्वास के साथ सधे और नपे–तुले शब्दों में अपनी बात विश्व के समक्ष रखी है, ऐसा साहस उनका कोई पूर्ववर्ती दिखा नही सका। पाकिस्तान के साथ अब तक हुए चार युद्ध, बालाकोट और उरी स्ट्राइक में उसे इतने गहरे घाव नहीं लगे, जितने ऑपरेशन सिंदूर ने उसे दिये। अपने स्वभाव से विवश पाकिस्तान पहलगाम आतंकी घटना के बाद इसी सोच के साथ रहा होगा, भारत प्रत्युत्तर में अधिक से अधिक एयर स्ट्राइक या उरी जैसा आक्रमण करेगा।

यह केवल अस्त्र-शस्त्र नहीं दिखाता, यह बताता है कि कब, कहां और कैसे उनका प्रयोग करना है। यह एक नया भारत है- जो केवल निनाद नहीं उठाता, अब प्रभाव और धमक भी दिखाता है। अब भारत प्रतिक्रिया में नहीं चलता, कर्मण्यता पर विश्वास करता है और नई दिशा तय करता है। यह परिवर्तन केवल एक रणनीति नहीं है, ये मानसिकता का परिवर्तन है। इसलिए प्रधानमंत्री मोदी ने आदमपुर एयर बेस में कहा, 'ऑपरेशन सिंदूर' भारत का 'न्यू नॉर्मल' है। यही मानसिक परिवर्तन भारत का 'न्यू नॉर्मल' है। और इस 'न्यू नॉर्मल' को अखिल विश्व जितनी जल्दी समझेगा, वो उसके और शेष दुनिया के लिए हितकारी, सुखप्रद और शांतिप्रद होगा।

संक्षिप्त समाचार

समग्र जनजातीय विकास के लिए कमर कसी

रामबन, 15 मई(दिव्य भारत ब्यूरो)। समावेशी और समग्र विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, जिला प्रशासन रामबन, उपायुक्त बसीर-उल-हक चौधरी के नेतृत्व में, 15 जून से 30 जून, 2025 तक धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत जिले भर में जागरूकता और लाभ संतृप्ति अभियान चलाने के लिए पूरी तरह तैयार है। 2 अक्टूबर, 2024 को प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू की गई प्रमुख पहल का उद्देश्य सभी आदिवासी गांवों को आवश्यक सरकारी सेवाओं से संतृप्त करना और मौजूदा विकास अंतराल को पाटना है। अभियान जिले के 7 ब्लॉकों में 11 पंचायतों में स्थित चचल, बंगरा, बिलावत, चचवा, धीदा, सोम्बर, नर्थयाल, मंगोट, तरगाम, खारी और शगन सहित सभी 11 अधिसूचित आदिवासी गांवों को कवर करेगा। ग्रामीण विकास विभाग की देखरेख में किए गए बेसलाइन गैप विश्लेषण से शुरू करते हुए एक रणनीतिक, डेटा-संचालित दृष्टिकोण अपनाया गया है। इस विश्लेषण ने बुनियादी ढांचे की कमी और प्रमुख मानव विकास चुनौतियों की पहचान की, जिन्हें अभियान के दौरान लक्षित हस्तक्षेपों के माध्यम से संबोधित किया जाएगा। 17 सरकारी विभागों की सेवाओं को अंतिम छोर के लाभार्थियों तक पहुँचाने के लिए लाभ संतृप्ति सह जागरूकता शिविरों की एक श्रृंखला आयोजित की जाएगी। ये शिविर सामाजिक सुरक्षा, कौशल विकास, आवास, शिक्षा, आजीविका सृजन, वित्तीय समावेशन और अन्य से संबंधित कल्याणकारी योजनाओं तक तत्काल पहुँच प्रदान करेंगे। स्वास्थ्य सेवाओं, विशेष रूप से सिकल सेल रोग के लिए जागरूकता और परीक्षण पर विशेष ध्यान दिया जाएगा, साथ ही पीने के पानी, स्वच्छता और सड़क संपर्क जैसी बुनियादी सुविधाओं तक पहुँच में सुधार के प्रयास किए जाएँगे। प्रत्येक शिविर एकल-खिड़की सेवा केंद्र के रूप में भी काम करेगा, जिससे आदिवासी निवासियों को वास्तविक समय में योजनाओं तक पहुँचने और विकास संबंधी चिंताओं को उठाने में मदद मिलेगी। अभियान में अधिकतम पहुँच और भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए जन-आंदोलन और सूचना, शिक्षा और संचार अभियान भी शामिल होंगे। जनजातीय समुदायों के साथ सीधे जुड़कर और उनके दरवाजे पर एकीकृत सेवाएं प्रदान करके, यह अभियान एक सशक्त और आत्मनिर्भर जनजातीय समुदाय के सामूहिक दृष्टिकोण को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

उपायुक्त पुंछ ने गोलाबारी पीड़ितों के बीच राहत वितरित की

पुंछ, 15 मई(दिव्य भारत ब्यूरो)। एक दयालु पहल में, डिप्टी कमिश्नर पुंछ, विकास कुंडल ने आज सीमा पार गोलाबारी से प्रभावित परिवारों के बीच राहत सामग्री वितरित की। वितरण डीसी कार्यालय के परिसर में हुआ, जहां पीड़ितों को गर्म कंबल, राशन किट और अन्य आवश्यक घरेलू आपूर्ति सहित आवश्यक वस्तुएं प्रदान की गईं। सामग्री सहायता के साथ, डिप्टी कमिश्नर ने प्रभावित परिवारों की तत्काल जरूरतों का समर्थन करने के लिए तत्काल नकद सहायता भी प्रदान की। एक सक्रिय और जन-केंद्रित दृष्टिकोण का प्रदर्शन करते हुए, जिला प्रशासन गोलाबारी-ग्रस्त क्षेत्रों में कमजोर आबादी तक सक्रिय रूप से पहुंच रहा है। वरिष्ठ अधिकारियों और फील्ड टीमों को जमीनी आकलन करने के लिए जुटाया गया है, जबकि वास्तविक समय की शिकायतों के निवारण के लिए समर्पित हेल्पलाइन खुली हैं। राहत वितरण के दौरान बोलते हुए, विकास कुंडल ने जनता को आश्वासन दिया कि प्रशासन प्रभावित निवासियों के साथ मजबूती से खड़ा है और हर परिवार के पुनर्वास होने तक सहायता प्रदान करना जारी रखेगा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि न केवल क्षति का आकलन करने के प्रयास किए जा रहे हैं, बल्कि प्रभावित सभी लोगों के लिए समय पर मुआवजा और सुरक्षा सुनिश्चित करने के भी प्रयास किए जा रहे हैं।

मुख्य सचिव ने किश्तवाड़ का दौरा किया

किश्तवाड़, 15 मई(दिव्य भारत ब्यूरो)। मुख्य सचिव अटल डुल्लू ने आज किश्तवाड़ जिले का दौरा किया और 850 मेगावाट रैटल जलविद्युत परियोजना और 390 मेगावाट दुल हस्ती जलविद्युत स्टेशन सहित दो प्रमुख जलविद्युत परियोजनाओं के चल रहे कार्यों और परिचालन स्थिति का निरीक्षण किया। द्राबशल्ला ब्लॉक में स्थित रैटल जलविद्युत परियोजना में मुख्य सचिव को पावरपॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से परियोजना की वर्तमान स्थिति और प्रगति के बारे में जानकारी दी गई। उन्होंने निर्माण कार्यों की प्रगति की भी समीक्षा की, पावर इनटेक स्ट्रक्चर, कॉफर डैम, भूमिगत पावरहाउस कॉम्प्लेक्स, टेल रेस्ड टनल का दौरा किया और विभिन्न परियोजना घटकों के कार्यान्वयन की स्थिति का आकलन किया। मुख्य सचिव ने मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को काम की गति बढ़ाने और परियोजना को समय पर पूरा करने के निर्देश जारी किए। उन्होंने प्रमुख परिचालन चुनौतियों का प्रभावी ढंग से समाधान करते हुए गुणवत्ता मानकों को बनाए रखने पर जोर दिया।

देश को हमारे सशस्त्र बलों पर गर्व है : एलजी सिन्हा

श्रीनगर, 15 मई(दिव्य भारत ब्यूरो)। उपराज्यपाल श्री मनोज सिन्हा ने गुरुवार को भारतीय सशस्त्र बलों की वीरता और साहस और उनकी ताकत और रणनीतिक स्पष्टता को सलाम किया, जिसके साथ उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम दिया और पाकिस्तान में बैठे आतंकी योजनाकारों को उनके आतंकी ठिकानों को नष्ट करके और शीर्ष आतंकवादियों को मारकर अनुकरणीय सजा दी। देश को हमारे सशस्त्र बलों पर गर्व है जिन्होंने बहादुरी के साथ ह्यऑपरेशन सिंदूर की ऐतिहासिक विजय गाथा लिखी और पहलगाम आतंकी हमले का बदला लिया।

उन्होंने कहा कीह्यऑपरेशन सिंदूर ने एक ही लक्ष्य और सटीक प्रहार से आतंक के खिलाफ लड़ाई की दिशा बदल दी है। इसने हमारे सैन्य सिद्धांत में एक निर्णायक बदलाव को चिह्नित किया है और पूरा देश सशस्त्र बलों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त कर रहा है। 9 प्रमुख आतंकी शिविर नष्ट कर दिए गए, 11 पाकिस्तानी हवाई ठिकानों पर हमला किया गया और हाई-प्रोफाइल आतंकवादियों को मार गिराया गया।

हमारे बहादुर सशस्त्र बलों ने न केवल पाकिस्तान के भीतर आतंकी कारखानों को नष्ट कर दिया है, बल्कि आतंकवादियों को अब एक-एक करके खोजा जा रहा है, उपराज्यपाल ने कहा, उन्होंने बताया कि एक सप्ताह के भीतर भारतीय सेना के साथ संयुक्त अभियान में दक्षिण कश्मीर में छह आतंकवादियों को निष्प्रभावी कर दिया गया है।

उपराज्यपाल ने यह भी दोहराया कि हमारे बहादुर सशस्त्र बल हमारे नागरिकों की सुरक्षा और राष्ट्र की शांति और समृद्धि सुनिश्चित करने के लिए कार्रवाई करना जारी रखेंगे। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर में हमारे सैनिकों की बहादुरी अब हमारी महान विजय परंपरा का हिस्सा है।

उन्होंने कहा कि पाकिस्तान एक आतंकवादी देश है और अब हमने भी यह तय कर लिया है कि इस आतंकवादी देश और वहां बैठे आतंकवाद के मास्टरमाइंड में कोई अंतर नहीं है। दुनिया ने देखा है कि जम्मू-कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश में आतंकवाद पाकिस्तान द्वारा रचा और अंजाम दिया जाता है और हमारी शक्तिशाली सेनाओं ने यह सुनिश्चित किया है कि अब हम पाकिस्तान के भीतरी इलाकों में घुसकर आतंकवादियों को मारेंगे और हम भविष्य में होने वाली आतंकी घटनाओं को भी युद्ध की कार्रवाई की तरह ही देखेंगे।

जैसा कि माननीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह जी ने कहा है कि पाकिस्तान का परमाणु ब्लैकमेल अब काम नहीं करेगा और उसके परमाणु हथियारों को अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी की निगरानी में लिया जाना चाहिए।

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने बादामी बाग कैंट श्रीनगर और श्रीनगर एयर बेस में भारतीय सशस्त्र बलों के बहादुर कर्मियों के साथ बातचीत के दौरान पाकिस्तान के परमाणु हथियारों की आईएईए निगरानी का आह्वान किया था।

रक्षा मंत्री ने बादामी बाग कैंट में भारतीय सेना के बहादुर जवानों को संबोधित करते हुए कहा था कि अगर पाकिस्तान आतंकवाद का समर्थन करना जारी रखता है तो उसे इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ेगी।

मनदीप कौर ने श्रीनगर शहर का दौरा कर चल रही परियोजनाओं की समीक्षा की

श्रीनगर, 15 मई(दिव्य भारत ब्यूरो)। आवास एवं शहरी विकास विभाग (एचएंडयूडीडी) की आयुक्त सचिव मनदीप कौर ने आज प्रमुख शहरी विकास परियोजनाओं के कार्यान्वयन की समीक्षा के लिए श्रीनगर शहर का व्यापक दौरा किया। आयुक्त सचिव के साथ श्रीनगर नगर निगम (एसएमसी) के आयुक्त डॉ.

ओवैस अहमद, एलसीएमए के उपाध्यक्ष शाहिद सलीम, एसएमसी, एलसीएमए और अन्य संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी भी थे।

इस दौरे में शहर भर में कई परियोजना स्थलों का दौरा शामिल था, जिसमें शहरी सौंदर्यीकरण, पर्यावरणीय स्थिरता और बुनियादी ढांचे के विकास के उद्देश्य से चल रहे हस्तक्षेपों पर ध्यान केंद्रित किया गया।

आयुक्त सचिव ने ईदगाह, बरार नम्बल साइट, राख अर्थ हाउसिंग कॉलोनी बेमिना, परिमपोरा और आसपास के इलाकों का दौरा किया।

उन्होंने निर्धारित समयसीमा के भीतर परियोजनाओं को पूरा करने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने श्रीनगर की वायु गुणवत्ता में ठोस सुधार लाने के लिए एजेंसियों के बीच प्रभावी समन्वय को बढ़ावा देने के लिए कहा। उन्होंने परियोजना निष्पादन में तेजी लाने और अधिक प्रभाव के लिए स्थानीय समुदायों को शामिल करने की आवश्यकता पर बल दिया।

बाद में आयुक्त सचिव ने परियोजना की समयसीमा पर चर्चा करने, बाधाओं की पहचान करने और शमन रणनीति तैयार करने के लिए संबंधित अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। आयुक्त सचिव ने एक लचीला, स्वच्छ और स्वस्थ श्रीनगर बनाने में टिकाऊ शहरी नियोजन और स्मार्ट सिटी पहल की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला।

मिशन निदेशक समग्र कृषि विकास योजना ने विभिन्न डेयरी परियोजनाओं का दौरा किया

जम्मू, 15 मई(दिव्य भारत ब्यूरो)। सचिव कृषि उत्पादन विभाग जम्मू-कश्मीर और मिशन निदेशक समग्र कृषि विकास कार्यक्रम (एचएडीपी) संदीप कुमार ने आज समग्र कृषि विकास कार्यक्रम (एचएडीपी) के तहत स्थापित दूध उत्पादक समितियों और डेयरी परियोजनाओं की प्रगति की निगरानी के लिए जम्मू में ब्लॉक मढ़ के गांवों का दौरा किया।

मिशन निदेशक का पटियालीचक डेयरी सहकारी समिति के अध्यक्ष गोपाल दास शर्मा ने बहुत गर्मजोशी से स्वागत किया, जिन्होंने एमडी को सहकारी समिति के कामकाज सहित इसके दूध संग्रह और विपणन कार्यों से अवगत कराया।

सदस्य-किसानों के साथ बातचीत के दौरान, एमडी को बताया गया कि समिति की स्थापना पशुपालन विभाग जम्मू द्वारा वर्ष 2023-2024 में एचएडीपी के तहत की गई थी और इसे आवश्यक बुनियादी ढांचे और वित्त के साथ समर्थन दिया गया था। उन्हें आगे बताया गया कि समिति में 50 से अधिक डेयरी किसान शामिल हैं और औसत दैनिक दूध संग्रह लगभग 5 क्विंटल है। एकत्रित दूध की जांच के बाद जेकेएमपीसीएल को आपूर्ति की जाती है

और लाभ समिति के सदस्यों के बीच वितरित किया जाता है।

दौरे के दूसरे चरण में, एमडी ने मढ़ ब्लॉक में एचएडीपी के तहत स्थापित विभिन्न सैटेलाइट हेफर इकाइयों और साइलेज बनाने वाली इकाइयों का दौरा किया, विशेष रूप से करलूप और चट्ठा गुजरान गांवों का। उन्होंने मालिकों से बातचीत की और इन इकाइयों की स्थिति और इन इकाइयों को चलाने में उनके सामने आने वाली किसी भी शिकायत के बारे में पूछताछ की। दौरे का समापन लाल्याल गांव में उज्मा स्वयं सहायता समूह और दूध संग्रह केंद्र के दौरे के साथ हुआ। एमडी को बताया गया कि स्वयं सहायता समूह में विशेष रूप से क्षेत्र की महिला डेयरी किसान शामिल हैं, जो प्रतिदिन 1500 लीटर दूध एकत्र करती हैं। यह समिति विभिन्न डेयरी उत्पाद जैसे कलाड़ी, घी, दही, मक्खन आदि तैयार करती है, जिन्हें जम्मू शहर के विभिन्न खुदरा स्टोरों में बेचा जाता है। उन्हें यह भी बताया गया कि पशुपालन विभाग जम्मू ने एचएडीपी के तहत प्रोत्साहन के रूप में 30 लाख रुपये से अधिक प्रदान करके इस डेयरी समिति का समर्थन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

दौरे पर गए अधिकारी ने इस बात पर संतोष व्यक्त किया कि पशुपालन विभाग किस तरह से जमीनी स्तर पर एचएडीपी के तहत विभिन्न विकासात्मक पहलों को लागू कर रहा है, जिससे रोजगार सृजन और आय में वृद्धि के माध्यम से डेयरी किसानों को लाभ मिल रहा है।

जिला प्रशासन पुंछ ने गोलाबारी से प्रभावित निवासियों के लिए रिपोर्ट टू सपोर्ट सुविधा शुरू की

पुंछ, 15 मई(दिव्य भारत ब्यूरो)। यह सुनिश्चित करने के लिए कि कोई भी नुकसान बिना रिपोर्ट किए न रहे और कोई भी प्रभावित परिवार पीछे न छूटे, जिला प्रशासन पुंछ ने गोलाबारी से प्रभावित लोगों की मदद के लिए एक सक्रिय पहल ह्यरिपोर्ट टू सपोर्टह्न शुरू की है।

यह अभियान हाल ही में सीमा पार से हुई गोलाबारी से प्रभावित निवासियों को त्वरित आकलन और सहायता के लिए सीधे व्हाट्सएप के माध्यम से अपनी संपत्ति या पशुधन को हुए नुकसान की रिपोर्ट करने में सक्षम बनाता है।

प्रस्तुतियों के लिए तहसीलवार व्हाट्सएप संपर्क नंबर हैं तहसील हवेलीः 9906198432 तहसील मंडीः 9622249091 तहसील बालाकोटः 7006458657 तहसील मनकोटः 7006385343 तहसील सुरनकोटः 7889810611 ड्ड तहसील मेंढरः 9622347276। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि इस माध्यम से रिपोर्टिंग पहले से ही जमीनी सत्यापन की जगह नहीं लेती है। इसके बजाय, यह सक्रिय दृष्टिकोण निवासियों को अपने नुकसान के बारे में सीधे प्रशासन को सूचित करने का अधिकार देता है, यह सुनिश्चित करता है कि कोई भी अकेला या अनदेखा न रहे। हालांकि, जिला प्रशासन के अधिकारी अभी भी औपचारिक नुकसान का आकलन करने के लिए प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करेंगे। रिपोर्टिंग के लिए आवश्यक न्यूनतम विवरण में शामिल हैं (बी) मुहल्ला/वार्ड संख्या (शहरी क्षेत्र): (सी) गांव/पंचायत (ग्रामीण क्षेत्र): (सी) ब्लॉक और तहसीलः (डी) नुकसान का प्रकारः (संपत्ति/पशुधन): (ई) संपर्क नंबरः (एफ) क्षतिग्रस्त संपत्ति की तस्वीरः (स्पष्ट और हाल ही की) लोगों को सलाह दी गई है कि वे जानकारी और तस्वीरों की सटीकता सुनिश्चित करें; केवल अपनी संपत्ति या पशुधन से संबंधित नुकसान की रिपोर्ट करें; प्रस्तुत विवरण के आधार पर एक अधिकारी मौके पर सत्यापन के लिए पहुंचेगा। यह पहल प्रशासन की निष्पक्षता, पारदर्शिता और समय पर राहत देने की प्रतिज्ञा को रेखांकित करती है। आपकी सक्रिय भागीदारी प्रशासन को प्रभावी ढंग से और बिना देरी के सहायता प्रदान करने में मदद करेगी।

पुंछ के गोलाबारी प्रभावित क्षेत्रों में नुकसान का आकलन करने के लिए ग्राम स्तरीय टीमें गठित की जाएंगी

पुंछ, 15 मई(दिव्य भारत ब्यूरो)। पुंछ के उपायुक्त विकास कुंडल ने आज जिले के अधिकारियों के साथ एक बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें जिले में हाल ही में सीमा पार से हुई गोलाबारी के कारण हुए नुकसान के आकलन और सत्यापन के लिए एक समन्वित रणनीति तैयार की गई।

बैठक में सीमावर्ती गांवों में प्रभावित संरचनाओं का विस्तृत, जमीनी आकलन करने के लिए ग्राम स्तरीय समितियों के गठन पर चर्चा की गई।

बैठक में अतिरिक्त जिला विकास आयुक्त ,अतिरिक्त उपायुक्त), सहायक आयुक्त राजस्व (एसीआर), तहसीलदार हवेली और मुख्यालय तहसीलदार ने व्यक्तिगत रूप से भाग लिया। मंडी, मनकोट, सुरनकोट और बालाकोट के तहसीलदारों के साथ सुरनकोट और मेंढर के उप-विभागीय मजिस्ट्रेट वर्चुअल रूप से सत्र में शामिल हुए, जिससे सभी प्रभावित क्षेत्रों और प्रशासनिक उपखंडों से प्रतिनिधित्व सुनिश्चित हुआ।

उपायुक्त ने ग्राम स्तरीय मूल्यांकन दल गठित करने की योजना बताई, जिसमें ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग, राजस्व विभाग, पशु एवं भेड़पालन, लोक स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, लोक निर्माण विभाग और प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अधिकारी शामिल होंगे। ये समितियां गोलाबारी से हुई संरचनाओं को हुए नुकसान की पुष्टि और उसका दस्तावेजीकरण करने के लिए प्रभावित स्थानों का दौरा करेंगी।

प्रत्येक संरचना की भौतिक स्थिति के आधार पर नुकसान को तीन श्रेणियों में वगीर्कृत किया जाएगा, पूर्ण क्षति, गंभीर क्षति और आंशिक क्षति। इसके अलावा, नुकसान को निजी संपत्ति, वाणिज्यिक और सरकारी स्वामित्व के रूप में वगीर्कृत किया जाएगा, जिससे सभी नुकसानों का व्यापक विवरण सुनिश्चित हो सके।

पुंछ के उपायुक्त ने प्रभावित परिवारों को समय पर सहायता और पुनर्वास सुनिश्चित करने के लिए एक तेज और पारदर्शी सत्यापन प्रक्रिया की आवश्यकता पर जोर दिया।

उन्होंने सभी संबंधित विभागों को समितियों को पूर्ण सहयोग प्रदान करने और फोटोग्राफिक और लिखित साक्ष्य द्वारा समर्थित सटीक दस्तावेजीकरण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

प्रशासन आने वाले दिनों में इस पहल की प्रगति की समीक्षा करेगा, जिसमें उभरती चुनौतियों का समाधान करने और प्रतिक्रिया प्रयासों में तेजी लाने के लिए अनुवर्ती बैठकें निर्धारित की गई हैं।

जम्मू में निकली विशाल तिरंगा यात्रा

जम्मू 5 मई (हि.स.)। ढदेशभक्ति और भारतीय सशस्त्र बलों के साथ एकजुटता के एक शक्तिशाली प्रदर्शन में लगभग दस हजार भावुक नागरिकों ने आज जम्मू में विशाल रतिरंगा यात्राह में भाग लिया। यह कार्यक्रम 'नागरिक राष्ट्रीय सुरक्षा के बैनर तले आयोजित किया गया था। यात्रा इंदिरा चौक पर जेडीए पार्किंग से शुरू हुई और शहर की व्यस्त सड़कों से होते हुए प्रेस क्लब, जम्मू में समाप्त हुई। राष्ट्रीय ध्वज लहराते हुए और जय हिंद, वंदे मातरम और भारतीय सेना जिंदाबाद जैसे नारे लगाते हुए, प्रतिभागियों ने देश के सैनिकों के प्रति अटूट समर्थन व्यक्त किया। नागरिक समाज के सदस्यों का नेतृत्व मुख्य अतिथि महंत रामेश्वर दास जी महाराज ने किया, उनके साथ प्रमुख नेताओं में सत शर्मा अध्यक्ष प्रदेश भाजपा, डॉ. नरिंदर सिंह भाजपा के राष्ट्रीय सचिव और विधायक, सांसद जुगल किशोर शर्मा, विधायक

शाम लाल शर्मा, युद्धवीर सेठी, डॉ. देविंदर कुमार मन्याल, प्रो. घारू राम भगत, अरविंद गुप्ता, चौ. विक्रम रंधावा, डॉ. राजीव, मोहन लाल, और सुरिंदर भगत, अशोक कौल, महासचिव (संगठन), जम्मू-कश्मीर भाजपा, पूर्व विधायक अश्विनी शर्मा भी शामिल रहे।

जम्मू-कश्मीर के सभी जिलों में स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन

जम्मू, 15 मई(दिव्य भारत ब्यूरो)। सामुदायिक कल्याण और स्वास्थ्य सेवा की पहुंच को बढ़ाने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण पहल में, जम्मू-कश्मीर ग्रामीण आजीविका मिशन (जेकेआरएलएम) ने जम्मू-कश्मीर स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से, केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) के लिए मुफ्त स्वास्थ्य जांच शिविरों की एक श्रृंखला का आयोजन किया।

मिशन निदेशक जेकेआरएलएम, डॉ. शुभ्रा शर्मा के नेतृत्व में, इन स्वास्थ्य जांच शिविरों को जेकेआरएलएम से जुड़े स्वयं सहायता समूहों के सदस्यों के लिए व्यापक स्वास्थ्य आकलन और जांच प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया था, जो समुदाय के भीतर बेहतर स्वास्थ्य सेवा पहुंच की महत्वपूर्ण आवश्यकता को संबोधित करते हैं।

यह पहल जम्मू-कश्मीर के विभिन्न जिलों में फैली हुई है, जो स्वास्थ्य पेशेवरों और जेकेआरएलएम कर्मचारियों को एसएचजी सदस्यों को सीधे आवश्यक सेवाएं प्रदान करने के लिए एकजुट करती है। शिविरों में सामान्य स्वास्थ्य आकलन, सामान्य बीमारियों की जांच और पोषण और स्वच्छता पर शैक्षिक सत्रों सहित निवारक देखभाल पर जोर दिया गया। हर महिला को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं तक आसान पहुँच मिले।

सामुदायिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने में इस तरह के सहयोगात्मक प्रयासों के महत्व के बारे में बोलते हुए, मिशन निदेशक जेकेआरएलएम डॉ. शुभ्रा शर्मा ने कहा, ग्रामीण समुदायों को सशक्त बनाने के जेकेआरएलएम के व्यापक मिशन के हिस्से के रूप में शुरू किए गए ये शिविर, बिना किसी खर्च के आवश्यक चिकित्सा जांच और परामर्श प्रदान करते हैं। हमारा लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि मिशन से जुड़ी

मिशन निदेशक ने एक स्वस्थ समाज को बढ़ावा देने में सामुदायिक जुड़ाव और सक्रिय स्वास्थ्य पहल के महत्व पर जोर दिया, समग्र सामुदायिक विकास पर ऐसे कार्यक्रमों के सकारात्मक प्रभाव को नोट किया। इस पहल की अगुवाई कर रही डॉ. शुभ्रा शर्मा ने आर्थिक और सामाजिक सशक्तिकरण की आधारशिला के रूप में स्वास्थ्य के महत्व को रेखांकित किया, उन्होंने कहा, हमारे स्वयं

बारामूला में धरती आबा के तहत मेगा शिक्षा, सूचना एवं जनसंपर्क अभियान शुरू किया जाएगा

बारामूला, 15 मई(दिव्य भारत ब्यूरो)। भारत सरकार की प्रमुख पहल के हिस्से के रूप में, धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत 15 जून से 30 जून, 2025 तक जिला बारामूला में एक मेगा सूचना, शिक्षा और संचार अभियान शुरू किया जाना है। अभियान का उद्देश्य जिले के चिन्हित आदिवासी गांवों में 17 केंद्रीय मंत्रालयों के तहत 25 कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना है, ताकि अंतिम छोर तक लोगों तक पहुंच सुनिश्चित हो और समावेशी विकास हो। बारामूला के डिप्टी कमिश्नर (डीसी) मिंगा शेरपा ने जनता, खासकर आदिवासी समुदायों के सदस्यों से अभियान में सक्रिय रूप से भाग लेने और स्वास्थ्य, शिक्षा, आजीविका, कौशल विकास, आवास और सामाजिक कल्याण से संबंधित विभिन्न योजनाओं के तहत दिए जा रहे लाभों का पूरा लाभ उठाने का आग्रह किया है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इस अभियान में जनजातीय क्षेत्रों में गहन संपर्क गतिविधियां, जागरूकता अभियान और मौके पर ही सेवा प्रदान करना शामिल होगा, जिसका लक्ष्य प्रत्येक नागरिक के दरवाजे तक शासन पहुंचाना है।

51 साल बाद बलोन्या ने जीता इटैलियन कप

5 बार की चैंपियन एसी मिलान को फाइनल में दी 1-0 से शिकस्त

● रोम / (एजेंसी)

बलोन्या फुटबॉल क्लब ने 51 साल बाद इटैलियन कप जीतकर इतिहास रच दिया। रोम में खेले गए फाइनल में बलोन्या ने 5 बार की चैंपियन एसी मिलान को 1-0 से हरा दिया। जीत का इकलौता गोल डैन एनडोये ने 53वें मिनट में दागा।

बलोन्या का तीसरा इटैलियन कप

- बलोन्या ने इससे पहले 1970 और 1974 में खिताब जीता था।
- इस जीत के साथ टीम ने तीसरी बार कप पर कब्जा किया।
- यह क्लब का 51 साल बाद पहला मेजर खिताब है।

कोच इटैलियानो को पहली बार सफलता

कोच विंसेंजो इटैलियानो ने भी बतौर कोच पहली बार फाइनल जीता। पहले वे दो बार फाइनल हार चुके थे - एक बार इटैलियन कप और एक बार यूरोपा कॉन्फ्रेंस लीग। उन्होंने जीत के बाद कहा, पिछली हारों ने मुझे तोड़ दिया था, लेकिन ये जीत बहुत खास है। टीम ने मिलान जैसी दिग्गज टीम के खिलाफ कमाल का खेल दिखाया।

जश्न का माहौल

खिताब जीतते ही खिलाड़ियों ने अपने 47 वर्षीय कोच को हवा में उछाला। कई खिलाड़ियों की आंखों में खुशी के आंसू थे। स्टेडियम में मौजूद फैंस भी जश्न में झूम उठे।

इस जीत के साथ यूरोपा लीग में मिली एंट्री

- इस जीत के साथ बलोन्या को अगले सीजन की यूरोपा लीग में जगह मिल गई।
- वहीं, एसी मिलान की यूरोपीय टूर्नामेंट में पहुंचने की उम्मीदें कमजोर पड़ गई हैं, क्योंकि टीम सीरी-ए में 8वें स्थान पर है।

मैच की मुख्य झलकियां...

- पहले हाफ में दोनों टीमों के गोलकीपर्स ने बेहतरीन बचाव किए।
- बलोन्या के कप्तान लुईस फर्ग्यूसन की नाक पर चोट लगी, उन्हें बाहर जाना पड़ा।
- दूसरे हाफ के 8वें मिनट में एनडोये ने निर्णायक गोल दागा।
- मिलान ने वापसी की कोशिश की, लेकिन सफल नहीं हो सकी।
- एसी मिलान को 22 साल से इटैलियन कप का इंतजार है, जो अब और लंबा हो गया।
- बलोन्या ने इस जीत के साथ अपने लंबे सूखे को खत्म कर दिया।

▶ आईसीसी ने किया वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल की प्राइज मनी का ऐलान

डब्ल्यूटीसी 2025 विजेता को मिलेंगे 30.79 करोड़, भारत को 12.32 करोड़

● दुबई / (एजेंसी)

आईसीसी ने वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) 2025 फाइनल की प्राइज मनी का ऐलान कर दिया है। इस बार इनामी राशि में बढ़ोतरी की गई है।

फाइनल मुकाबला 11 से 15 जून तक लॉर्ड्स (लंदन) में ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका के बीच खेला जाएगा। पिछले डब्ल्यूटीसी फाइनल्स (2021, 2023) में विजेता को सिर्फ 13.68 करोड़ रुपए और रनर-अप को 6.84 करोड़ मिलते थे। इस बार विजेता को 17.96 करोड़ ज्यादा मिलेंगे।

इनामी राशि का वितरण

- **विजेता टीम:** 30.79 करोड़ रुपए
- **रनर-अप टीम:** 18.47 करोड़
- **तीसरे स्थान पर भारत:** 12.32 करोड़
- **9वें स्थान पर पाकिस्तान:** 4.10 करोड़ रुपए

टॉप-3 टीमों की स्थिति...

भारत ने शुरुआत में बढ़त बनाई थी, लेकिन न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आखिरी दो सीरीज हारने के कारण तीसरे स्थान पर रहा।

1. **साउथ अफ्रीका:** 69.44 प्रतिशत पॉइंट्स
2. **ऑस्ट्रेलिया:** 67.54 प्रतिशत पॉइंट्स
3. **भारत:** 50 प्रतिशत पॉइंट्स

लॉर्ड्स में देखने को मिलेगा बेहतरीन क्रिकेट : शाह

- **जय शाह (आईसीसी अध्यक्ष):** यह चरण रोमांचक रहा और लॉर्ड्स में बेहतरीन टेस्ट क्रिकेट देखने को मिलेगा।
- **पैट कमिंस (ऑस्ट्रेलियाई कप्तान):** ट्रॉफी डिफेंड करना गर्व की बात, साउथ अफ्रीका से टक्कर का इंतजार।
- **तेम्बा बावुमा (साउथ अफ्रीकी कप्तान):** आईसीसी खिताब जीतने का बेहतरीन मौका है, हम तैयार हैं।

2028 पर फोकस... अब जापान की तर्ज पर देशभर में बनेंगे ओलंपिक ट्रेनिंग सेंटर्स

2-3 खेलों की जिम्मेदारी उठाएगा बीसीसीआई

● नई दिल्ली / (एजेंसी)

भारत अब जापान की तर्ज पर देशभर में ओलंपिक ट्रेनिंग सेंटर्स बनाने जा रहा है। इन सेंटर्स की स्थापना कॉरपोरेट सेक्टर के सहयोग से की जाएगी, जिनमें से 2-3 सेंटर्स की जिम्मेदारी बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड) उठाएगा।

इस योजना पर 2025 में ही काम शुरू कर दिया जाएगा। गुरुवार को खेल मंत्री मनसुख मांडविया के साथ हुई बैठक में बीसीसीआई के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने कहा, हम दो-तीन ओलंपिक खेलों की जिम्मेदारी लेने को तैयार हैं, खेल मंत्रालय तय करे कि वे खेल कौन-से होंगे। बैठक में कॉरपोरेट जगत के 58 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस पहल से खिलाड़ियों में जोरदार उत्साह है।

हर सेंटर में 1 ओलंपिक खेल का प्रशिक्षण

- हर सेंटर में एक ओलंपिक खेल की ट्रेनिंग दी जाएगी।
- 100 से 200 प्रतिभाशाली खिलाड़ी एक ही जगह आधुनिक सुविधाओं और विशेषज्ञों के साथ तैयारी करेंगे।
- इसका फोकस लॉस एंजेलिस ओलंपिक 2028 पर रहेगा।
- मंत्रालय ने इस योजना के लिए जापान, अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया के ओलंपिक मॉडल से प्रेरणा ली है।

प्रवासी खिलाड़ियों को मिलेगा मौका?

खेल मंत्रालय विदेश में बसे भारतीय मूल के खिलाड़ियों को फिर से राष्ट्रीय टीम में खेलने की पात्रता देने पर विचार कर रहा है। 2008 से अब तक सिर्फ भारतीय पासपोर्ट धारकों को भारत का प्रतिनिधित्व करने की अनुमति है। यह प्रस्ताव प्रारंभिक चरण में है और सभी पक्षों से चर्चा जारी है।

पहले भी कर चुका है BCCI सहयोग

- **2008:** बीसीसीआई ने राष्ट्रीय खेल विकास कोष में 50 करोड़ का योगदान दिया था।
- **2021 (टोक्यो ओलंपिक):** मेडल विजेताओं को 4 करोड़ की पुरस्कार राशि दी।
- **2023:** पेरिस ओलंपिक से पहले आईओए को 8.5 करोड़ की मदद दी।

नीरज बोले - नदीम से कभी नहीं रही मेरी गहरी दोस्ती...

अब बातचीत पहले जैसी नहीं रहेगी

● दोहा / (एजेंसी)

भारत के जेवलिन स्टार नीरज चोपड़ा ने साफ कहा है कि वे और पाकिस्तानी थ्रोअर अरशद नदीम कभी भी करीबी दोस्त नहीं रहे हैं। दोहा डायमंड लीग में हिस्सा लेने से पहले गुरुवार को नीरज ने यह बात कही। उन्होंने कहा, हमारे बीच कभी गहरी दोस्ती नहीं थी। अब भारत-पाक तनाव के माहौल में चीजें पहले जैसी नहीं रह सकतीं। अगर कोई मुझसे सम्मान से बात करता है, तो मैं भी सम्मान से पेश आता हूं।

आतंकी हमले के बाद झेलनी पड़ी ट्रोलिंग

22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद नीरज और उनके परिवार को सोशल मीडिया पर ट्रोल किया गया। वजह ये थी कि उन्होंने बेंगलुरु में होने वाले एनसी क्लासिक टूर्नामेंट में अरशद नदीम को आमंत्रित किया था। हालांकि, ये इवेंट बाद में स्थगित कर दिया गया। नीरज ने सफाई दी कि नदीम को भेजा गया निमंत्रण हमले से एक दिन पहले भेजा गया था। फिर भी मेरे और परिवार के ईमानदारी पर सवाल उठे, जो बहुत दुखद था।

खेल में सम्मान जरूरी, चाहे वह किसी देश का हो

नीरज ने यह भी कहा, खिलाड़ियों के बीच सम्मान होना चाहिए। चाहे वह किसी भी देश का हो। भाला फेंकने वालों की दुनिया बहुत छोटी है, हम सभी अपने देश के लिए बेस्ट देने की कोशिश करते हैं।

डायमंड लीग में आज शुरू करेंगे अभियान

नीरज चोपड़ा आज (16 मई) दोहा डायमंड लीग में अपना अभियान शुरू करेंगे। उनका इवेंट भारतीय समय अनुसार रात 10.15 बजे शुरू होगा।

मलिक ने पीसीबी के मेंटर पद से दिया इस्तीफा

लाहौर, आरएनएन। पाकिस्तान के अनुभवी ऑलराउंडर शोएब मलिक ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के मेंटर पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने यह फैसला अपनी अन्य पेशेवर और व्यक्तिगत जिम्मेदारियों का हवाला देते हुए लिया है। शोएब मलिक ने कहा, यह फैसला लेना मेरे लिए आसान नहीं था। लेकिन जब मैंने अपनी मौजूदा जिम्मेदारियों पर विचार किया तो मुझे लगा कि मैं न तो पाकिस्तान क्रिकेट और न ही अपनी अन्य प्राथमिकताओं को पूरी तरह समय और समर्पण दे पाऊंगा। बताया जा रहा है कि मलिक ने करीब दो सप्ताह पहले पीसीबी को अपने इस्तीफे की जानकारी दे दी थी। उन्होंने साफ किया कि वह मौजूदा अनुबंध से जुड़े बचे हुए दायित्वों को पूरा करेंगे, लेकिन आगामी सत्र में मेंटर की भूमिका नहीं निभाएंगे। गौरतलब है कि पीसीबी ने शोएब मलिक, मिस्बाह-उल-हक, सकलैन मुश्ताक, सरफराज अहमद और वकार यूनिस को 2027 तक के लिए तीन साल के अनुबंध पर मेंटर नियुक्त किया था। मलिक के इस्तीफे के बाद मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि बोर्ड सभी मेंटरों को हटाने पर विचार कर रहा है।

आईपीएल: पंजाब, लखनऊ और गुजरात ने घोषित किए नए खिलाड़ियों के नाम

जैमिसन, मेंडिस और ओ'रूर्क को मिला खेलने का मौका

● नई दिल्ली / (एजेंसी)

आईपीएल 2025 के दूसरे फेज की शुरुआत से पहले पंजाब किंग्स, लखनऊ सुपरजायंट्स और गुजरात टाइटंस ने रिप्लेसमेंट खिलाड़ियों की घोषणा कर दी है। पंजाब किंग्स में न्यूजीलैंड के पेसर काइल जैमिसन, गुजरात टाइटंस में श्रीलंका के विकेटकीपर कुसल मेंडिस और लखनऊ सुपरजायंट्स में कीवी गेंदबाज विलियम ओ'रूर्क को शामिल किया गया है।

इसी बीच खबर है कि मुंबई इंडियंस, प्लेऑफ में जगह बनाने पर जॉनी बेयरस्टो को शामिल कर सकती है।

जैमिसन बने पंजाब का हिस्सा

पंजाब किंग्स के तेज गेंदबाज लॉकी फर्ग्यूसन हैमस्ट्रिंग इंजरी के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह काइल जैमिसन को 2 करोड़ रुपए में टीम से जोड़ा गया है।

मेंडिस को मिली जीटी में जगह

गुजरात टाइटंस ने प्लेऑफ को ध्यान में रखते हुए इंग्लैंड लौटने वाले जोस बटलर की जगह कुसल मेंडिस को 75 लाख में साइन किया है। बटलर 26 मई को इंग्लैंड टीम से जुड़ेंगे, जीटी का आखिरी लीग मैच 25 मई को है।

मयंक फिर हुए बाहर, ओ'रूर्क टीम में

लखनऊ सुपरजायंट्स के युवा तेज गेंदबाज मयंक यादव फिर से पीठ की चोट के चलते टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह विलियम ओ'रूर्क को 3 करोड़ में टीम में शामिल किया गया।

मुंबई में आ सकते हैं बेयरस्टो

मुंबई इंडियंस के ऑलराउंडर खिलाड़ी विल जैक्स भी 26 मई को इंग्लैंड लौटेंगे। ऐसे में मुंबई इंडियंस अगर प्लेऑफ में पहुंचती है तो बेयरस्टो को रिप्लेसमेंट के तौर पर लाया जा सकता है। वे आईपीएल 2025 की नीलामी में अनसोल्ड रहे थे।

रिटेन नहीं होंगे रिप्लेसमेंट प्लेयर

आईपीएल गवर्निंग काउंसिल ने बताया कि रिप्लेसमेंट खिलाड़ी अगले सीजन से पहले रिटेन नहीं किए जा सकेंगे।

इस लिस्ट में शामिल हैं

- काइल जैमिसन
- कुसल मेंडिस
- विलियम ओ'रूर्क
- मुस्तफिजुर रहमान (जैक फ्रेजर मैगर्क की जगह)

शेड्यूल- कब क्या?

- दूसरा फेज: 17 से 27 मई तक
- 13 लीग मैच, जिसमें 2 डबल हेडर
- क्वालिफायर-1: 29 मई
- एलिमिनेटर: 30 मई
- क्वालिफायर-2: 1 जून
- फाइनल: 3 जून

शेफाली वर्मा और हरलीन देओल वनडे टीम से बाहर

इंग्लैंड दौरे के लिए महिला टीम घोषित

● नई दिल्ली / (एजेंसी)

28 जून से शुरू हो रहे इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय महिला क्रिकेट टीम का ऐलान हो गया है। दौरे में भारत को इंग्लैंड के खिलाफ 5 टी-20 और 3 वनडे मैच खेलने हैं। दोनों फॉर्मेट में हरमनप्रीत कौर कप्तान और स्मृति मंधाना उपकप्तान होंगी। टीम चयन में बड़ा फेरबदल करते हुए शेफाली वर्मा और हरलीन देओल को वनडे टीम से बाहर कर दिया गया है। हालांकि दोनों टी-20 टीम में शामिल हैं। शेफाली ने घरेलू वनडे टूर्नामेंट में 941 रन बनाए थे, लेकिन फिर भी चयनकर्ता प्रभावित नहीं हुए। उनकी जगह प्रतिका रावल और तेजल को मौका मिला है।

यह दौरा वर्ल्ड कप की तैयारी का हिस्सा

यह दौरा इस साल भारत में होने वाले वनडे वर्ल्ड कप की तैयारियों का हिस्सा है। भारत इससे पहले श्रीलंका में ट्राई सीरीज जीत चुका है और अब इंग्लैंड में दोनों फॉर्मेट में खेलने उतरेगा।

इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय महिला टीम

टी-20 टीम: हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्ज, ऋचा घोष (विकेटकीपर), यस्तिका भाटिया (विकेटकीपर), हरलीन देओल, दीप्ति शर्मा, स्नेह राणा, श्री चरणि, शुचि उपाध्याय, अमनजोत कौर, अरुंधति रेड्डी, क्रांति गौड़, सयाली साटघरे।

वनडे टीम: हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), प्रतिका रावल, जेमिमा रोड्रिग्ज, ऋचा घोष (विकेटकीपर), यस्तिका भाटिया (विकेटकीपर), तेजल हसबनिस, दीप्ति शर्मा, स्नेह राणा, श्री चरणि, शुचि उपाध्याय, अमनजोत कौर, अरुंधति रेड्डी, क्रांति गौड़, सयाली साटघरे।

सीरीज शेड्यूल

■ **टी-20 सीरीज:** 28 जून, 1, 4, 9, 12 जुलाई, ■ **वनडे सीरीज:** 16, 19, 22 जुलाई ■ **पहले टी-20 की शुरुआत** भारतीय समयानुसार शाम 7 बजे, बाकी मैच रात 11 बजे से होंगे। वनडे मैच दोपहर 3.30 और शाम 5.30 बजे से शुरू होंगे।

आईपीएल

स्कूल प्रिंसिपल बोले- बिहार के युवा बल्लेबाज को लेकर सोशल मीडिया पर फैलाई जा रही खबरें गलत...

10वीं में फेल नहीं, इस साल परीक्षा में शामिल ही नहीं हुए वैभव

● समस्तीपुर / (एजेंसी)

राजस्थान रॉयल्स की ओर से आईपीएल में खेल रहे बिहार के युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को लेकर सोशल मीडिया पर फैलाई जा रही खबरें गलत हैं। कहा जा रहा था कि वे 10वीं कक्षा में फेल हो गए हैं, लेकिन उनके स्कूल ने साफ किया है कि वैभव ने इस साल परीक्षा दी ही नहीं।

क्या कहा स्कूल प्रिंसिपल ने?

समस्तीपुर के ताजपुर स्थित डॉ. मुक्तेश्वर सिन्हा मॉडेस्टी स्कूल के प्रिंसिपल आदर्श कुमार ने बताया, वैभव ने पिछले साल 9वीं पास की थी और इस साल 10वीं में थे, लेकिन बोर्ड परीक्षा में शामिल नहीं हो सके। अब वे अगले साल परीक्षा देंगे। सोशल मीडिया पर फैलाया जा रहा है कि वे फेल हुए हैं, यह पूरी तरह गलत है।

आईपीएल में मचाया धमाल

- वैभव ने हाल ही में गुजरात टाइटंस के खिलाफ सिर्फ35 गेंदों में शतक लगाकर आईपीएल इतिहास का सबसे तेज शतक जड़ा।
- वे अब तक आईपीएल 2025 के सबसे चर्चित युवा खिलाड़ी बन चुके हैं।

उम्र को लेकर भी हो चुका है विवाद

आईपीएल में धमाकेदार प्रदर्शन के बाद वैभव का पुराना इंटरव्यू वायरल हुआ था, जिसमें उन्होंने कहा था कि वे सितंबर 2023 में 14 साल के हो जाएंगे। इस पर कुछ लोगों ने उनकी वास्तविक उम्र पर सवाल उठाए। वैभव के पिता संजीव सूर्यवंशी ने कहा, वैभव का पहला बोन टेस्ट तब हुआ था जब वह सिर्फ8.5 साल का था। वह भारत की अंडर-19 टीम में भी खेल चुका है। अगर जरूरत पड़ी तो वह दोबारा एज टेस्ट देने को तैयार है। स्कूल प्रिंसिपल ने पुष्टि की कि वैभव का जन्म 27 मार्च 2011 को हुआ है। इस हिसाब से अब उनकी उम्र 14 साल 2 महीने है।

पुबुदु दासनायके अमेरिका क्रिकेट टीम के मुख्य कोच नियुक्त

कोलंबो, आरएनएन। श्रीलंका और कनाडा के पूर्व अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर पुबुदु दासनायके को अमेरिका की पुरुष क्रिकेट टीम का नया मुख्य कोच नियुक्त किया गया है। दासनायके अब ऑस्ट्रेलिया के पूर्व बल्लेबाज स्टुअर्ट लॉ की जगह लेंगे। यह दूसरा मौका है जब 54 वर्षीय दासनायके को अमेरिका टीम का कोच बनाया गया है। इससे पहले वह 2016 से 2019 तक तीन वर्षों तक अमेरिका टीम के कोच रह चुके हैं। उनके कार्यकाल में अमेरिका को वनडे इंटरनेशनल का दर्जा दिलाने में उन्होंने अहम भूमिका निभाई थी। दासनायके ने अपने करियर में श्रीलंका के लिए 11 टेस्ट और 16 वनडे खेले हैं।

राजधानी (न्यू बॉम्बे)	
दिन	रात
566 = 7	490 =3
345 = 2	690 = 5
शुभांक	
दिन	रात
288 = 8	299 = 0
157 = 3	234 = 9
भाग्यांक	
5 1	3 0

www.kalyangame.com

रामगोपाल के बयान पर जनप्रतिनिधियों में रोष, नए भारत में जन्म से नहीं, कर्म से होती है पहचान

लखनऊ, 15 मई(दिव्य भारत ब्यूरो)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव प्रो. रामगोपाल यादव द्वारा विंग कमांडर व्योमिका सिंह पर आपत्तिजनक टिप्पणी की प्रदेश सरकार के मंत्रियों व जनप्रतिनिधियों ने घोर निंदा की। भारतीय जनता पार्टी के जनप्रतिनिधियों ने कहा कि नए भारत में जन्म से नहीं, कर्म से पहचान होती है। सपा नेता अपने बयान के लिए पूरे समाज, देश व प्रदेश से माफी मांगें।

रामगोपाल का बयान विकृत जातिवादी सोच

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव रामगोपाल यादव द्वारा वीरांगना विंग कमांडर व्योमिका सिंह पर दिए गए विवादित बयान पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। सीएम योगी ने गुरुवार शाम अपने एक्स अकाउंट पर एक पोस्ट साझा कर सपा नेता के बयान को न केवल उनकी संकुचित सोच का प्रतीक बताया, बल्कि इसे भारतीय सेना के सम्मान और देश की अस्मिता के खिलाफ भी करार दिया।

मुख्यमंत्री ने अपने पोस्ट में लिखा कि सेना की वर्दी 'जातिवादी चश्मे' से नहीं देखी जाती है। भारतीय सेना का प्रत्येक सैनिक 'राष्ट्रधर्म' निभाता है, न कि किसी जाति या मजहब का प्रतिनिधि होता है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव द्वारा एक वीरांगना बेटी को जाति की परिधि में बांधना न केवल उनकी पार्टी की संकुचित सोच का प्रदर्शन है, बल्कि सेना के शौर्य और देश की अस्मिता का भी घोर अपमान है। सीएम योगी ने सपा की मानसिकता पर सवाल उठाते हुए कहा कि यह वही सोच है जो तुष्टिकरण और वोट बैंक की राजनीति के लिए राष्ट्रभक्ति को भी बांटने का दुस्साहस करती है। उन्होंने चेतावनी दी कि जनता इस 'विकृत जातिवादी सोच' का जवाब देगी।

भारत की गौरव, महिला सशक्तिकरण व नए भारत के उड़ान की प्रतीक हैं व्योमिका सिंह

उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा विंग कमांडर व्योमिका सिंह का अपमान हर भारतीय और भारतीय बेटी का अपमान है। व्योमिका सिंह केवल नाम नहीं, बल्कि भारत की गौरव, महिला सशक्तिकरण व नए भारत के उड़ान की प्रतीक हैं। जाति के आधार पर वीरांगना का अपमान कर समाजवादी पार्टी ने अपनी नीच मानसिकता व महिला विरोध की सोच को उजागर किया है। रामगोपाल यादव का बयान शर्मनाक, निंदनीय व भारतीय वायुसेना के हर जवान का अपमान है। नए भारत में जन्म से नहीं, कर्म से पहचान होती है।

जाति के आधार पर लोगों को बांटना समाजवादी पार्टी का पुराना शगल रहा है। विंग कमांडर व्योमिका सिंह को जाति के आधार पर नीचा दिखाने की कोशिश पूरे दलित समाज की प्रतिभा, परिश्रम व सम्मान पर हमला है। रामगोपाल यादव का बयान पीडीए की उस विकृत सोच का पदार्फाश है, जो दलितों का सम्मान नहीं करता, उन्हें सिर्फ वोटबैंक मानता है। हिंदुस्तान दलितों का अपमान स्वीकार नहीं करेगा। सपा को पूरे समाज, देश व प्रदेश से माफी मांगनी चाहिए।

देश के प्रति सपा की सोच अच्छी नहीं

कैबिनेट मंत्री बेबीरानी मौर्य ने कहा की वीरांगना सोफिया कुरैशी व व्योमिका सिंह ने युद्ध को ब्रीफ कर भारत को गौरव का अनुभव कराया है। रामगोपाल यादव के बयान की घोर निंदा करती हूं। समाजवादी पार्टी कभी भीमराव आंबेडकर की फोटो से

- **सभी ने एक स्वर से कहा- पूरे समाज, देश व प्रदेश से माफी मांगें सपा नेता**
- **रामगोपाल का बयान 'विकृत जातिवादी सोच, जनता देगी जवाब : योगी आदित्यनाथ**
- **नए भारत की उड़ान का प्रतीक हैं व्योमिका सिंहः ब्रजेश पाठक**
- **देश के प्रति अच्छी नहीं है सपा की सोचः बेबीरानी मौर्य**
- **आतंकवादियों को जी कहकर पुकारने और मुकदमा हटाने वालों से क्या ही उम्मीद कर सकतेः अनिल राजभर**
- **सपा के डीएनए में भरा है दलित विरोधः लालजी प्रसाद निर्मल**

खिलवाड़ करती है तो कभी जाति के साथ खिलवाड़ करती है। देश के प्रति इनकी सोच अच्छी नहीं है। यह देश को जाति-धर्म में बांटना चाहते हैं। यह सिर्फ राजनीतिक रोटी सेकते हैं। सपा शब्द घोर निंदनीय हैं।

आतंकवादियों को जी कहकर पुकारने वालों से क्या ही उम्मीद कर सकते

विधान परिषद सदस्य लालजी प्रसाद निर्मल ने कहा कैबिनेट मंत्री अनिल राजभर ने कहा की सपा नेता का बयान प्रमाणित करता है कि इनके मन और जेहन में दलितों के प्रति नफरत भरी हुई है। व्योमिका सिंह मां भारती की बहादुर बेटी हैं। वह महिला सशक्तिकरण व सम्मान का प्रतीक हैं। मां भारती की दो बहादुर बेटियों ने ऑपरेशन सिंदूर की कार्रवाई को देश के सामने रखा। भारतीय सेना ने प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में देश का गौरव बढ़ाते हुए पुरुषार्थ को प्रमाणित किया है। सपा को यह बात पच नहीं रही है। आतंकवादियों को जी कहकर पुकारने और मुकदमा हटाने वालों से क्या ही उम्मीद की जा सकती है।

व्योमिका सिंह का सम्मान पूरे देश व दुनिया में है। सभी जानते हैं कि आसमां की तरफ थूकने वालों का हश्र क्या होता है। जनता सेना का मनोबल व सम्मान बढ़ाने के लिए तिरंगा यात्रा में शामिल हो रही है। दलितों के प्रति सपा की यह नफरत पहली बार नहीं दिखी है। दलितों का विरोध और अपमान सपा के डीएनए में है।

दलितों का सम्मान नहीं करता, बल्कि उन्हें वोटबैंक मानता है सपा नेता का बयान

रामगोपाल यादव का बयान पीडीए की उस विकृत सोच का पदार्फाश है, जो दलितों को सम्मान नहीं करता, बल्कि उन्हें सिर्फ वोटबैंक मानता है। सपा के डीएनए में दलित विरोध भरा है। कभी मंदिरों से दलितों को रोका गया तो कभी स्कूलों में पीटा गया। अब भारतीय वायुसेना की अधिकारी पर जातीय हमला किया गया है। दलितों का यह अपमाान देश सहने वाला नहीं है। देश इसका जवाब देगा।

जल्द ही यूपी के सभी जिलों में होगा सिविल डिफेंस व्यवस्था

आलोक पाण्डेय/दिव्य भारत

लखनऊ, 15 मई। भारत-पाकिस्तान के बीच हाल के तनाव से देश ने सुरक्षा तंत्र को और मजबूत करने की जरूरत को महसूस किया है। इसी कड़ी में उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने प्रदेश के सभी 75 जिलों में सिविल डिफेंस व्यवस्था को स्थापित करने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। वर्तमान में केवल 15 जिलों में यह व्यवस्था कार्यरत है, लेकिन अब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर शेष 60 जिलों में भी इसे लागू करने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

बता दें कि कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक केंद्र सरकार राष्ट्रीय सुरक्षा को लेकर सतर्क है। इसी दिशा में योगी सरकार ने सिविल डिफेंस को प्रदेश की सुरक्षा रणनीति का अभिन्न हिस्सा बनाने का फैसला किया है। इसका उद्देश्य आपातकालीन परिस्थितियों में नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना और संकट के समय प्रभावी राहत कार्यों को अंजाम देना है।

बड़ी संख्या में युवाओं को मिलेगा प्रशिक्षण और रोजगार के अवसर

प्रदेश भर में सिविल डिफेंस की व्यवस्था के लागू होने से न सिर्फ स्थानीय स्तर पर सुरक्षा तंत्र मजबूत होगा, बल्कि बड़ी संख्या में युवाओं को प्रशिक्षण और रोजगार के अवसर भी प्राप्त होंगे।

सिविल डिफेंस के तहत स्वयंसेवकों को आपदा प्रबंधन, प्राथमिक चिकित्सा, और राहत कार्यों का प्रशिक्षण दिया जाएगा, जो संकटकाल में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

- **अभी 15 जिलों में है सिविल डिफेंस, शेष 60 जिलों में भी लागू करने की प्रक्रिया शुरू**
- **किसी भी आपात स्थिति, प्राकृतिक आपदा की परिस्थितियों के लिए तैयार होगी योगी सरकार**
- **प्रदेश भर में सिविल डिफेंस की व्यवस्था से नागरिक सुरक्षा के साथ ही बड़ी संख्या में होगा रोजगार का सृजन**

योगी सरकार ने इस दिशा में कार्ययोजना तैयार कर ली है। अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि सभी जिलों में सिविल डिफेंस की स्थापना के लिए संसाधनों और प्रशिक्षण केंद्रों की व्यवस्था की जाए। साथ ही, जनजागरूकता अभियान चलाकर लोगों को इस व्यवस्था से जोड़ा जाएगा।

आपात स्थिति में सिविल डिफेंस निभाता है महत्वपूर्ण भूमिका

सिविल डिफेंस आपात स्थिति में नागरिक सुरक्षा सुनिश्चित करने का मजबूत स्तंभ है। यह न केवल प्राकृतिक आपदाओं जैसे भूकंप, बाढ़, और चक्रवात, बल्कि युद्ध या अन्य मानव-निर्मित संकटों में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। बीते 7 मई को देशभर में नागरिक सुरक्षा को लेकर आयोजित मॉक ड्रिल में सिविल डिफेंस ने अपनी क्षमता का शानदार प्रदर्शन किया। इस दौरान स्वयंसेवकों ने लोगों को सतर्क करने, सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने और प्राथमिक चिकित्सा प्रदान करने में तत्परता दिखाई।

सिविल डिफेंस के प्रशिक्षित कार्यकर्ता आपदा प्रबंधन, बचाव कार्य और राहत वितरण में विशेषज्ञता रखते हैं, जो संकटकाल में जीवन रक्षा के लिए आवश्यक है। इसके अलावा, यह व्यवस्था जनजागरूकता फैलाकर समाज को आपात स्थिति के लिए तैयार करती है।

संक्षिप्त समाचार

दुष्कर्म व हत्या के दोषी को हुई मृत्यु दण्ड की सजा

प्रयागराज, 15 मई (हि.स.)। नवाबगंज पुलिस की प्रभावी पैरवी के परिणाम स्वरूप न्यायालय ने दुष्कर्म एवं हत्या मामले के आरोपित को दोष सिद्ध होने के बाद न्यायालय ने गुरुवार को मृत्युदंड एवं अर्थदण्ड से दण्डित किया। यह जानकारी पुलिस उपायुक्त गंगानगर कुलदीप सिंह गुनावत ने दी। उन्होंने बताया कि प्रयागराज के नवाबगंज थाने में वर्ष 2012 में प्रतापगढ़ जनपद के हथिगवां थाना क्षेत्र के किलहनापुर गांव निवासी विनोद पासी पुत्र राम सुमेर पासी के खिलाफ धारा 302,376,201 भारतीय दण्ड संहिता के तहत मुकदमा दर्ज किया था। योगी सरकार के ऑपरेशन कन्विक्शन के तहत चलाए जा रहे अभियान के तहत नवाबगंज थाने की पुलिस टीम ने प्रभावी पैरवी की। पैरवी के क्रम में 15 मई न्यायालय विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट कक्ष संख्या-02 इलाहाबाद ने आरोपित के खिलाफ दोष सिद्ध होने के बाद धारा-302 में मृत्युदण्ड की सजा एवं 50 हजार रुपये के अर्थदंड, धारा-376 में आजीवन कारावास व 20 हजार रुपये के अर्थदंड तथा धारा-201 में 7 वर्ष के कारावास व 10 हजार रुपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया। इस प्रकरण की पैरवी नवाबगंज थाने के पैरोकार सिपाही वीरेन्द्र कुमार, कोर्ट मोहर्रिर महिला सिपाही सावित्री, नवाबगंज थाने के प्रभारी निरीक्षक राघवेन्द्र सिंह एवं एडीजीसी मनोज कुमार पांडेय और सविता पाठक ने प्रभावी ढंग से पैरवी किया। जिससे जघन्य अपराध करने वाले को सजा दिलाने में प्रयागराज पुलिस को बड़ी सफलता प्राप्त हुई।

रामगोपाल यादव ने विंग कमांडर व्योमिका सिंह पर की अमर्यादित टिप्पणी

मुरादाबाद, 15 मई (हि.स.)। मुरादाबाद जनपद के बिलारी में समाजवादी पार्टी द्वारा गुरुवार को आयोजित कार्यक्रम में पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव सांसद रामगोपाल यादव ने पहलगाम की आतंकी घटना के बाद भारतीय सेना के द्वारा पाकिस्तान पर मिशन ऑपरेशन सिंदूर के तहत की गई कार्रवाई में बड़ी ताकत बनी भारतीय वायु सेना की हेलीकॉप्टर पायलट विंग कमांडर व्योमिका सिंह पर जाति सूचक शब्दों का इस्तेमाल करते हुए अमर्यादित टिप्पणी की। प्रो. रामगोपाल ने कहा कि युद्ध एक मुसलमान, एक दलित और एक यादव ने लड़ा। उन्होंने कहा कि हरियाणा की रहने वाली व्योमिका सिंह जाटव, चमार है। उन्होंने आगे कहा कि यह तीनों पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक (पीडीए) वर्ग से आते हैं, ऐसे में भाजपा इस अभियान का श्रेय कैसे ले सकती है। रामगोपाल यादव ने कहा कि भाजपा अच्छे लोगों को पार्टी से बाहर निकालती है और गलत लोगों को शामिल करती है। महिला सैन्य अधिकारी कर्नल सोफिया को लेकर गलत बयान देने वाले मंत्री विजय शाह से तुरंत इस्तीफा लिया जाना चाहिए और उन्हें पार्टी से निष्कासित करना चाहिए। भाजपा सरकार सेना के पराक्रम का राजनीतिक लाभ उठाने की कोशिश कर रही है, जबकि जमीनी हकीकत कुछ और है। रामगोपाल यादव ने कहा कि सेना ने साहस के साथ आतंकियों के अड्डे तबाह किए लेकिन ट्रंप के दबाव में सीजफायर कर सरकार ने सेना का मनोबल गिराया।

विजय शाह के खिलाफ सपा ने ज्ञापन सौंपा

अजीत प्रताप सिंह/दिव्य भारत प्रतापगढ़। मध्यप्रदेश के मंत्री विजय शाह द्वारा आपरेशन सिंदूर में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली भारत की बहादुर बेटी कर्नल सोफिया कुरैशी के बारे में बेहद ही अपमानजनक बयान देने के विरोध में समाजवादी महिला सभा अध्यक्ष श्रीमती शान्ति सिंह के नेतृत्व में शर्म करो मार्च निकालकर मध्यप्रदेश के मंत्री को बर्खास्त करने हेतु महामहिम राष्ट्रपति महोदया जी के नाम से द्वारा उपजिलाधिकारी महोदय जी को ज्ञापन सौंपा गया। श्रीमती शान्ति सिंह ने अपने सम्बोधन में कहा कि मध्यप्रदेश के मंत्री विजय शाह द्वारा दिया गया बयान आपरेशन सिंदूर सैन्य महिला अधिकारी सोफिया कुरैशी ही नहीं बल्कि देश की सभी नारी और सेना का अपमान है। भाजपा की दूषित और घृणित मानसिकता को दशार्ता है। कि उनका बयान उन सभी बेटियों के लिए आपत्तिजनक है जो राष्ट्र सेवा के लिए समर्पित है। शर्म आती है ऐसी सोच पर जो धर्म के आधार पर हमारी वीर बेटी को आतंकवादी की बहन बताने की हिमाकत करती है। अतः समाजवादी पार्टी ऐसी दूषित और महिला विरोधी सोच का प्रतिकार करती है।

लखनऊ बस अग्निकांड में दो बच्चों समेत पांच की मौत, शवों की हुई शिनाख्त

लखनऊ, 15 मई (हि.स.) बिहार के बेगुसराय से नई दिल्ली जा रही एक प्राइवेट स्लीपर बस (यूपी एटीए 6372) में गुरुवार सुबह लखनऊ के किसान पथ पर आग लगने से उसमें जलकर पांच लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने सभी शवों की पहचान कर ली है। मरने वालों में दो बच्चें, एक महिला, किशोरी और एक युवक शामिल है। घटना के बाद चालक और परिचालक बस से उतरकर भाग गये थे। पुलिस उपायुक्त दक्षिण निपुण अग्रवाल ने बताया कि बिहार के बेगूसराय से करीब 80 सवारियों को लेकर प्राइवेट स्लीपर बस दिल्ली जा रही थी।

मण्डलायुक्त ने ऑपरेशन जागृति के तहत अतरौली में छात्राओं को किया जागरूक

राहुल शर्मा/दिव्य भारत

अलीगढ़। ऑपरेशन जागृति फेज-04 अभियान के अन्तर्गत तहसील अतरौली में के.एस.आर.एम.बी. इण्टर कालेज में छात्राओं को महिलाओं के प्रति होने वाले अपराध, साइबर क्राइम एवं घरेलू तथा निजी विवादों में महिलाओं के माध्यम से झूठे मुकदमें के दुष्प्रभावों के सम्बन्ध में जागरूक किये जाने हेतु कार्यक्रम का आयोजन किया गया कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुईं आयुक्त, अलीगढ़ मण्डल, अलीगढ़, संगीता सिंह का एनसीसी के छात्र-छात्राओं द्वारा गार्ड-ऑफ-ऑनर देते हुए सैनिक बैण्ड के साथ उनका स्वागत किया गया।

कार्यक्रम में कालेज के स्काउट टीम द्वारा विभिन्न प्रकार के आत्म सुरक्षा करतवों एवं स्कूली छात्राओं द्वारा महिला सुरक्षा के अन्तर्गत विभिन्न प्रकार की सांस्कृतिक एवं सामाजिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसका उद्देश्य समाज में बेटियों को समान अवसर एवं उनके प्रति समाज की सोच को बदलने के अलावा उन्हें अपनी सुरक्षा के प्रति जागरूक करना रहा मण्डलायुक्त ने छात्राओं को साइबर अपराधों से सावधान रहने एवं सभी छात्रों को नशे जैसी बुराईयों से दूर रहने का आव्हान करते हुए ऑपरेशन जागृति फेज-04 के अन्तर्गत छात्र-छात्राओं द्वारा प्रस्तुत किये गये कार्यक्रम की सराहना की।

उन्होंने कहा कि यह अत्यन्त गर्व की बात है कि इस विद्यालय की स्थापना वर्ष 1910 उस समय हुई जब देश अंग्रेजों के पराधीन था और इस विद्यालय की स्थापना में विदुषी महिला माता गंगाबाई का योगदान था। उस समय महिलाओं की स्थिति देश में अच्छी नहीं थी।

- **युवा पीढ़ी से अच्छे रास्तों पर चलते हुए अपने समाज, परिवार और भारत देश को उन्नति के रास्ते पर ले जाने का किया आव्हान**

ऐसे समय में एक महान महिला द्वारा कालेज की स्थापना किया जाना आज के समय युवा पीढ़ी के लिए अत्यन्त प्रेरणादायक है।

उन्होंने कहा कि आज महिलाएं हर क्षेत्र में देश और समाज का नाम रोशन कर रही हैं। सुनीता विलियम्स, कर्नल सोफिया कुरैशी एवं व्योमिका सिंह आज की युवा पीढ़ी के लिए मार्गदर्शक एवं प्रेरणा स्त्रोत हैं।

ऑपरेशन जागृति के अन्तर्गत संचालित सभी अभियानों को हमें सिर्फ इस प्रोग्राम तक ही सीमित नहीं रखना है, बल्कि यहां से संकल्प लेकर इस प्रचार एवं प्रसार निरन्तर अपने दोस्तों, परिवार एवं समाज में करना है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में इंटरनेट आधुनिक भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण है। इंटरनेट पर अच्छी एवं खराब दोनों चीजें मौजूद है।

हमें अच्छी चीजों का उपयोग अपनी शिक्षा, समाज में बुराईयों को दूर करने और भारत देश को उन्नति के शिखर पर ले जाने के लिए करते हुए सभी बुराईयों से दूर रहना है।

आज युवा पीढ़ी को अच्छे रास्तों पर चलते हुए अपने समाज, परिवार और भारत देश को उन्नति के रास्ते पर ले जाना है।

हम सभी आज संकल्प ले कि हम अपने देश और समाज के लिए काम करेगें पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) अमृतलाल ने छात्राओं को अपनी शिक्षा एवं सुरक्षा के प्रति जागरूक रहने के साथ ही सभी क्षेत्रों में।

सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया महिलाओं को दें रही है वित्तीय स्वतंत्रता

आगरा 15 मई(दिव्य भारत ब्यूरो)। सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया की जमाल नगर शाखा ने आज एक विशेष शिविर का आयोजन किया गया जिसमें बैंक ने अपनी नवीनतम योजनाओं और उत्पादों को लॉन्च किया। इस शिविर में बैंक ने अपनी नई योजनाओं सेंट क्वीन और सेंट सैलरी के साथ-साथ कासा मोबिलाइजेशन पर जोर दिया। क्षेत्रीय प्रबंधक श्री राजेश गेरा ने कैंप का उद्घाटन किया और वहाँ पर उपस्थित महिलाओ को सम्बोधित करते हुए बैंक उत्पादों की जानकारी दी। सेंट क्वीन योजना 18 से 65 वर्ष की महिलाओं के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है, जिसमें उन्हें कई लाभ प्रदान किए गए हैं। इस योजना में महिलाओं को निम्नलिखित लाभ

दिए गए हैं,20 लाख रुपये तक का बीमा कवर, जो महिलाओं को वित्तीय सुरक्षा प्रदान करता है। ये बचत खाता शून्य बैलेंस पर खुल सकता है, जिससे महिलाओं को वित्तीय बाधाओं का सामना नहीं करना पड़ता इसमें मिनिमम एवरेज क्वार्टरली बैलेंस मेंटेन न होने पर कोई पेनल्टी नहीं है, एटीएम कार्ड भी निशुल्क दिया जा रहा है, जिससे महिलाओं को वित्तीय दबाव से मुक्ति मिलती है। इन विशेषताओं के साथ, सेंट क्वीन योजना महिलाओं को वित्तीय स्वतंत्रता और सुरक्षा प्रदान करने में मदद कर सकती है ।शाखा प्रबंधक विक्रम सिंह राघव ने बताया की सेंट सैलरी उत्पाद में भी विशेष लाभ दिए गए हैं, जो कि वेतनभोगी व्यक्तियों के लिए उपयोगी हो सकते हैं। जैसे खाता जीरो बैलेंस पर खुलवा सकते हैं, 1 करोड़ तक का निशुल्क बीमा, सर्विस चार्जेज में छूट, निशुल्क एटीएम और चेक बुक, कोई मिनिमम बैलेंस चार्ज नहीं। बैंक ने करंट अकाउंट - सेविंग अकाउंट मोबिलाइजेशन पर जोर दिया, जिससे ग्राहकों को अपने खातों का प्रबंधन करने में मदद मिल सके। इन उत्पादों और योजनाओं के माध्यम से, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया ग्राहकों को बेहतर बैंकिंग सुविधाएं प्रदान करने का प्रयास कर रहा है। कैंप में मुख्य रूप से उमा देवी, बैंक सखी तुलसी देवी, नवीन कुमार, राजेश बाबू, राहुल कुमार, मीरा देवी, रखी देवी आदि उपस्थित रहें।

जनता को इंतजार, मंत्री विजय शाह पर क्या एक्शन लेगी भाजपा सरकार : मायावती

लखनऊ, 15 मई (हि. स.)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने कहा कि मध्य प्रदेश के मंत्री विजय शाह के खिलाफ भाजपा क्या एक्शन लेती है, इसका देश की जनता को इंतजार है। मायावती ने गुरुवार को एक्स पर पोस्ट

करते हुए लिखा कि पहलगाम में आतंकी घटना के बाद भारत ने ऑपरेशन सिंदूर की कार्रवाई करके पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब दिया। इसमें कर्नल सोफिया कुरैशी की अहम भूमिका रही है। उनको लेकर मध्य प्रदेश सरकार में मंत्री विजय शाह ने अभद्र टिप्पणी की है। इसको लेकर मायावती ने नाराजगी जताई और भाजपा सरकार से कार्रवाई की मांग की थी। हाईकोर्ट की सख्ती के बाद बुधवार रात को मंत्री के खिलाफ एफआईआर दर्ज हुई। इस पर मायावती ने दोबारा टिप्पणी करते हुए कहा कि इस गंभीर मामले में एफआईआर होना उचित है। देश की जनता को प्रतीक्षा है कि भाजपा इस पर क्या एक्शन लेती है। बसपा प्रमुख ने कहा कि देश में साम्प्रदायिक व जातिवादी द्वेष, नफरत, हिंसा व तनाव फैलाने वालों के खिलाफ, कोर्ट से पहले, राज्य सरकारों को बिना भेदभाव कार्रवाई करके अपराध नियंत्रण व कानून-व्यवस्था की संवैधानिक जिम्मेदारी निभाना जरूरी है। वरना अपेक्षित विकास बाधित होता रहेगा, जो जन व देशहित में सही नहीं।

एमपी से लेकर बलिया व बिहार तक उजागर हुआ भाजपा का चाल चरित्र और चेहरा : अखिलेश यादव

अमेठी, 15 मई (हि.स.)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव बृहस्पतिवार को मांगलिक कार्यक्रम में सम्मिलित होने के लिए अमेठी पहुंचे। जहां पर मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए भारतीय जनता पार्टी पर जमकर हमला बोला।

अखिलेश यादव ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि चाल चरित्र और चेहरा न केवल मध्य प्रदेश से उजागर हुआ है, बल्कि बलिया और बिहार से भी उजागर हुआ है। जो लोग सोशल मीडिया पर हैं वह मुझसे बेहतर समझते होंगे। हाई कोर्ट के आदेश पर एफआईआर दर्ज हुआ है और यह हाई कोर्ट को इसलिए करना पड़ रहा है कि इन मंत्री जी ने देश की बहु प्रतिष्ठित अभिनेत्री के खिलाफ उन्होंने सबसे पहले उनके कार्यक्रम को रोका था। उस समय भाजपा की सरकार उनके खिलाफ कार्यवाही की होती तो आज देश की कर्नल सोफिया कुरैशी के साथ इस तरह का व्यवहार करने का उन्हें मौका ही नहीं मिलता। यह भारतीय जनता पार्टी का चरित्र पहली बार दिखाई नहीं दिया है। भारतीय जनता

पार्टी ऐसा ही कार्य करती है। भारतीय जनता पार्टी के लोग नारी वंदन का नारा तो देते हैं, लेकिन जब सही में सम्मान की बात आती है उनके रक्षा की बात आती है तो वह बेनकाब हो जाते हैं। कई बार उनका असली चेहरा उजागर हुआ है। यह कोई पहली बार उजागर नहीं हुआ है। कर्नल सोफिया जो लगातार देश दुनिया को ब्रीफिंग कर रही थी। वह सरकार की ही ब्रीफिंग कर रही थी और सरकार भारतीय जनता पार्टी की है। उन्हीं की ब्रीफिंग करने वाले के बारे में उनके प्रति क्या उनकी भावना है किस तरह के विचार हैं ? यह पहली बार उजागर नहीं हुआ है। इसके पहले भी कई बार भारतीय जनता पार्टी का व्यवहार, भाषा नारी शक्ति के लिए उजागर हो चुका है।

देश के लिए शांति सर्वोपरि

सीजफायर के विषय में बोलते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि जश्न जीत का होना चाहिए सीज का नहीं। हमारे देश के लिए शांति सबसे सर्वोपरि है। लेकिन इसके साथ-साथ हमारे बहुत सारे मसलों में दूसरे देश हस्तक्षेप ना करें वही हमारे देश और हमारे लोकतंत्र की सबसे बड़ी पहचान रही है। संप्रभुता हमारी सबसे बड़ी और सबसे पहली पहचान रही है। जहां हम शांतिप्रिय देश हैं वहीं हम सारे देश की संप्रभुता के लिए उतना ही चिंतित हैं जितना समय-समय पर शांति के लिए चिंतित रहते हैं। भारतीय जनता पार्टी के लोग कह रहे हैं कि अब दोबारा ऐसा नहीं होने देंगे। दोबारा चूक नहीं होगी। चूक की कोई गुंजाइश नहीं होनी चाहिए। हमारी सुरक्षा और हमारे इंतजाम इतने बेहतर हो कि दोबारा ऐसी चूक कभी ना हो।

उत्तर प्रदेश की पुलिस पर है भरोसा

ओकेंद्र राणा से हुई हाथापाई पर अखिलेश बोले कि हमें उत्तर प्रदेश की पुलिस पर भरोसा है। पुलिस के हाथ बहुत लंबे होते हैं । कोई भी अपराधी भागेगा तो उत्तर प्रदेश की पुलिस उसे पकड़ लेगी। अभी समय नहीं है बहुत कुछ बातों को कहने का समय आने पर समाजवादी पार्टी अपना पक्ष रखेगी । हमारा देश शक्तिशाली हो आर्थिक रूप से मजबूत हो। हमारी सीमाएं सुरक्षित हो उसके लिए सरकार को ठोस कदम उठाने पड़ेंगे । हमारी सीमाएं जितनी ही सुरक्षित होगी उतना ही देश हमारा आगे बढ़ेगा ।

जानकारी

रोजाना 10 मिनट में करें ये 2 योगासन

तेजी से कम होगी पेट की चर्बी

पेट और कमर पर जमा चर्बी और पूरे शरीर का मोटापा घटाने के लिए आप इन 2 योगासनों का अभ्यास रोजाना सिर्फ 10 मिनट करें। ये दोनों योगासन तेजी से फैट बर्न करते हैं और आपका वजन घटाने में मदद करते हैं। अगर आप मोटापे से परेशान हैं या आपके पेट और कमर में चर्बी जमा हो गई है, तो रोजाना योगसन के द्वारा आप अपना वजन घटा सकते हैं। मोटा और थुलथुला शरीर किसी को पसंद नहीं होता है क्योंकि इसके कारण कई तरह की परेशानियां होती हैं और शरीर भी आकर्षक नहीं लगता है। ऐसे कई योगासन हैं, जिनके नियमित अभ्यास से आप अपने पेट और कमर में जमा चर्बी को घटा सकते हैं और शरीर को फिट बना सकते हैं। आज हम आपको बता रहे हैं ऐसे ही 2 योगासन, जिन्हें करना भी आसान है और रोजाना सिर्फ 10 मिनट करके आप अच्छा शरीर पा सकते हैं।

सेतुबंधासन

सेतुबंधासन एक आसान योगासन है, जिसे करते समय व्यक्ति का शरीर पुल (सेतु) के समान हो जाता है। रोजाना सेतुबंधासन के अभ्यास से पेट और चर्बी को आसानी से कम किया जा सकता है। इसके अलावा इस आसन के अभ्यास से आपकी पैर और जांघ भी मजबूत होते हैं। कमरदर्द और पीठ दर्द की समस्या में भी सेतुबंधासन को काफी असरदार योगासन माना जाता है।

सेतुबंधास करने की आसान विधि

- सेतुबंधासन के अभ्यास के लिए सबसे पहले चटाई पर सीधा लेट जाएं और पैरों के बीच थोड़ा अंतर रखें।
- अपनी हथेलियों को जमीन की तरफ रखें और घुटनों को मोड़ लें।
- अब अपने हाथों से पैर को दोनों टखनों के बगल से लॉक कर लें या टखनों को मजबूती से पकड़ लें।
- इस पोजीशन में रहते हुए अपने कूल्हों को ऊपर की तरफ उठाएं, जिससे आपका शरीर भी ऊपर उठे और एक पुल जैसी आकृति बन जाए।
- इस पोजीशन में 10 से 30 सेकंड या जितनी देर रुक सकें, रुकें और फिर सामान्य स्थिति में आ जाएं।
- यही सेतुबंधासन है। इस आसन का रोजाना 10-12 बार या जितना कर सकें, अभ्यास करें।
- इससे आपके पेट की चर्बी कम होगी और आपका मोटापा कम हो जाएगा।

नौकासन

पेट पर जमा चर्बी को घटाने के लिए नौकासन भी एक बेहतरीन योगासन है। इस आसन को करते समय आपके पेट के आसपास के हिस्से में दबाव पड़ता है, जिससे तेजी से फैट बर्न होता है। इस योगासन के अभ्यास से पेट साफ रहता है इसलिए ये कब्ज के रोगियों के लिए भी फायदेमंद है। इसके अलावा नौकासन हाथों, कंधों, पैरों और जांघों को मजबूत बनाता है।

नौकासन करने का तरीका

- सबसे पहले चटाई पर सीधा लेट जाएं और अपने हाथों को जांघों के बगल में रखें।
- अब सांस अंदर खींचते हुए अपने कूल्हों को जमीन पर टिका रहने दें जबकि बाकी के शरीर को ऊपर की तरफ उठाएं।
- इस दौरान अपने हाथों को सामने की तरफ सीने की सीध में रखें।
- इस पोजीशन में 5-10 सेकंड या जितनी देर रुक सकें, रुकें और फिर धीरे-धीरे सांस छोड़ते हुए सामान्य पोजीशन में आ जाएं।
- यही है नौकासन। इस आसन का अभ्यास रोजाना 10-12 बार या जितना कर सकें, करें।
- इस आसन के अभ्यास से पेट और कमर की चर्बी बहुत तेजी से कम होती है।

पाचन तंत्र दुरुस्त रखने के लिए इन चीजों का करें सेवन

पाचन तंत्र हमारी सेहत को बहुत प्रभावित करता है। पाचन तंत्र हमारे खाने को पचाकर उस खाने से शरीर को पोषक तत्व पहुंचाने में खास भूमिका निभाता है। इसलिए पाचन तंत्र को दुरुस्त रखना जरूरी है। इसके लिए अपनी दिनचर्या में कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए।

सुबह गुनगुना पानी पीएं

सुबह जागने के बाद गुनगुना पानी पीना आंत की सफाई, नए खून के निर्माण, वजन कम करने और त्वचा को चमक देने में सहायता करता है।

जब भोजन करें

भोजन के तुरंत बाद चाय या कॉफी न लें, क्योंकि ये भोजन से लौह तत्व लेने में बाधा पैदा करते हैं। भोजन के तुरंत बाद लेटें या सोएं नहीं, क्योंकि इससे पेट में मौजूद अम्ल खाने की नली में पहुंचकर सीने में जलन पैदा कर सकता है। भोजन को निगलने के पहले खूब चबाएं, ताकि उसमें मुंह से निकलने वाला पाचक रस मिल जाए। फलों का रस पीने की बजाय उन्हें काटकर खाएं, ताकि उनका फाइबर आपको मिल सके। भोजन के आधा घंटा पहले पानी पीना पाचन में सहायक होता है।

अनन्नास

पाचन सुधारता है, सूजन घटाता है, आंखों की रोशनी बढ़ाता है, हड्डियां मजबूत करता है और त्वचा को स्वस्थ रखता है।

दही

अस्वस्थ पेट के लिए दही सबसे बढ़िया आहार होता है। यह पेट को तत्काल ठंडक प्रदान करता है।

अदरक

पाचन संबंधी समस्याओं को ठीक करने का अदभुत जरिया है। भोजन पचाने के लिए जरूरी रसों और एंजाइम के प्रवाह को प्रेरित करता है। खांसी-जुकाम, अपच, उल्टी और गले की पीड़ा से राहत देता है।

मेथी दाना

मेथी दाने और दही का सम्मिलित प्रभाव पेट दर्द और उल्टी से तुरंत राहत देता है। कुछ दाने निगलने होते हैं, उन्हें चबाना नहीं होता।

काली मिर्च

पाचन सुधारने, भूख बढ़ाने और पेट संबंधी समस्याओं को दूर करने में असरदार होती है। यह पेट की गैस को भी दूर करती है।

सौंफ

अपच, पेट फूलना, कब्ज और इरिटेबल बाउल सिंड्रोम के उपचार में उपयोगी है। गैस और अपच से पीड़ित बच्चे को एक चम्मच कुटी सौंफ एक कप गर्म पानी में शहद के साथ मिलाकर 10 मिनट तक हिलाने के बाद धीरे-धीरे पिलाएं।

केला

केला आपकी आंतों को स्वस्थ रखने, हृदय की लय बनाए रखने वाले पोषक तत्व प्रदान करने और स्वास्थ्य के लिए आवश्यक विटामिन देने में मदद करते हैं। केला पेट के लिए बहुत फायदेमंद फल है, जो आपके बिगड़े पेट को प्राकृतिक रूप से ठीक करने में मदद करता है

सुझाव

इन तरीकों से बच्चों को पिलाएं दूध

बच्चों को दूध पिलाना

बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास के लिए दूध बहुत जरूरी है, खासकर हड्डियों को मजबूत बनाने में दूध की भूमिका सबसे अहम होती है। लेकिन दूध के नाम पर बच्चे भागते हैं, और आप उसी दूध में आप कॉर्नफ्लेक्स, बोर्नवीटा और अन्य स्वादिष्ट और पौष्टिक चीज़ों का लालच देकर दूध पिलाने की कोशिश करती रहती हैं फिर भी वे दूध पीने से कतराते हैं। पर आज हम आपके लिए घर में ही दूध से बनने वाली कुछ रेसिपी के बारें में बता रहे हैं, जो आपके बच्चे के दूध को फेवरेट बना देंगीं। इन तरीकों से बच्चे दूध पीने में कोताही नहीं बरतेंगे।

फ्लेवर्ड मिल्क

कई बच्चे दूध सिर्फ इसलिए नहीं पीते हैं क्योंकि उन्हें सादे दूध का स्वाद नहीं पसंद आता है। इसलिए माता पिता को यह सलाह दी जाती है कि वे अपने बच्चों को दूध में चॉकलेट या स्ट्रॉबेरी फ्लेवर मिला कर दूध पिलाएं। इससे आपका बच्चा आसानी से दूध पीना शुरू कर देगा।बच्चा अगर दूध नहीं पी रहा है तो उसमें फल मिला कर उसका मिल्कशेक बना दें। यह और भी अच्छा होगा अगर आप इन शेक्स में बच्चों के पसंदीदा फल मिलाएंगे। इसे बच्चे बहुत चाव से पीएंगे।

फेवरेट कार्टून के गिलास में पिलायें

जब आपका बच्चा दूध पीने से मना करें तो उसे सुंदर और डिजाइनर गिलास में दूध देना शुरू कर दें। इससे गिलास की खूबसूरती को देख कर वह दूध पर ध्यान नहीं देगा और दूध पी लेगा। आप चाहें तो बाजार से कार्टून वाली ग्लास में भी दूध पिला सकती है। अपने कार्टून की खातिर अक्सर बच्चे दूध पीने में नाटक नहीं करते है।

नाश्ते से पहले दूध

अगर आप यह सोच रहीं हैं कि बच्चे को कैसे दूध पिलाएं तो हमेशा याद रखें कि जब भी बच्चा भूखा हो तो उसे नाश्ते से पहले दूध पीने को दें। इससे वह दूध पी लेगा। हम कई बार सोचते हैं कि हम ऐसा क्या करें जिसे हमारा बच्चा अच्छे से दूध पीने लगे। उसे खेल खेल में दूध पिलाने की कोशिश करें, इसे उसका ध्यान दूध में भी नहीं होगा और वो दूध भी पी लेगा।

रोज मिल्क

एक गिलास ठंडा दूध लें और उसमें रोज मिल्क एसेंस और चीनी मिलाएं। फिर इसमें कटे हुए बादाम ओर काजू डाल कर अच्छी तरह से मिक्स करें। अब इसे कटी हुई स्ट्रॉबेरी डाल कर बच्चों को सर्व करें।रोज मिल्क में कैलशिम काफी सारा होता है जिससे हड्डियां और दांत मजबूत बनते हैं।

खाने का जायका बढ़ा देंगे ये अलग तरह के रायते

पुलाव हो या कबाब और चाहे खिचड़ी, रायते का साथ हमेशा स्वाद बढ़ाता है। स्वाद के साथ-साथ सेहत के लिहाज से भी रायते के कई फायदे हैं। जब भी रायता बनाने की बात आती है, तो बूंदी, धुंगार (स्मोकड) रायता, लौकी का रायता जैसे कुछ विकल्प ही सामने आते हैं। मगर इसके आगे भी विकल्प हैं। आप चाहे तो अनार, अनानास व भिंडी का रायता बनाकर आप अपना जायका थोड़ा अलग कर सकते हैं।

अनार रायता

अमूमन कस्टर्ड में आप अनार को मिक्स करके खाते होंगे। मगर रायते के साथ भी इसका कांबिनेशन लाजवाब रहेगा। इस रायते की अपनी एक क्लास है। तो अगली बार जब भी कोई पार्टी हो तो इसे जरूर ट्राई करें। यह किसी भी आम रायते की तरह ही बनता है। मगर स्वादानुसार आप इसे थोड़ा मीठा भी बना सकते हैं।

अनानास का रायता

अगर तारीफ बटोरने के लिए रायते की रेसिपीज ढूंढ रहे हैं, तो यह सबसे बेस्ट है। इसका खट्टा-मीठा स्वाद किसी का भी दिल जीत लेगा। इसे बनाने के लिए एक बड़े बर्तन में फेटा हुआ दही डाले, उसमें चीनी, नमक, जीरा पाउडर, काला नमक मिलाकर अच्छी तरह फेंट लें। अब इसमें बारीक कटा अनानास और अनार के दाने मिलाएं। इसे फ्रिज में ठंडा होने के लिए रख दें। सर्व करते वक्त बचे हुए अनार के दाने और धनिया पाउडर से सजाकर सर्व करें।

भिंडी का रायता

भिंडी का रायता फटाफट तैयार किया जा सकता है। मेहमानों को यह रायता जरूर पसंद आएगा। इसे बनाने के लिए सबसे पहले भिंडी को तेल में फ्राई करें, इसे मसालों के साथ दही में डालें। फ्राइड भिंडी से रायते में क्रंची फ्लेवर आएगा। भिंडी के अलावा भुने जीरे, मिर्च और काली मिर्च से रायते का जायका और बढ़ जाएगा।

बारिश में त्वचा सबंधी समस्या किसी को भी हो सकती है

जरूरी है समय पर सही उपचार अपनाना

त्वचा का स्वास्थ्य और खूबसूरत होना भी जरूरी होता है। इसके घरेलु उपचार के साथ-साथ त्वचा का ख्याल रखना बहुत जरुरी है साथ ही त्वचा रोग विशेषज्ञ के मार्गदर्शन में त्वचा सम्बंधी समस्याओं का समाधान करवाना एक बेहतर विकल्प होता है। हाल ही में मिसेस इंडिया यूके 2019, स्पर्धा में तीन टाइटल्स जीतने वाली डॉ. नेहा शर्मा ने भी त्वचा संबंधी परेशानियों का सामना किया लेकिन उन्हें सही वक्त पर त्वचा रोग विशेषज्ञ डॉ. जे एस छाबड़ा (डर्मेटोलॉजिस्ट, कॉस्मेटोलॉजिस्ट तथा लेजर स्पेशलिस्ट) का परामर्श और उपचार मिला और अब उनकी त्वचा भी स्वस्थ और मुस्कराहट से भरी है।

डॉ. जे. एस. छाबड़ा के अनुसार, खूबसूरत दमकती हुई स्वस्थ त्वचा हर इंसान की इच्छा होती है। आज प्रदूषण से लेकर लाइफस्टाइल के बैलेंस का बिगड़ने और असंतुलित खान-पान जैसी कई चीजें हैं जो त्वचा पर बुरा असर डालती है। इसके अलावा शरीर में होने वाले हार्मोनल चेंजेस भी त्वचा पर अपने निशान छोड़ सकते हैं। ऐसे में एक प्रशिक्षित डर्मेटोलॉजिस्ट या त्वचा रोग विशेषज्ञ सही इलाज और थैरेपीज के साथ त्वचा को फिर से खिला हुआ बना सकते हैं।

डॉ. नेहा शर्मा भी आम युवतियों की तरह अनइवन स्किन टोन, पिम्पल्स, डार्क सर्कल्स तथा टैनिंग जैसी समस्याओं से ग्रसित थी । उनकी स्किन बहुत सेंसिटिव है। ऐसे में कुछ ब्यूटी प्रोडक्ट्स ने उनकी परेशानी को और भी बड़ा दिया था। चूंकि डॉ. नेहा खुद भी मेडिकल साइंस की स्टूडेंट रही है इसलिए उन्होंने सही समय पर इलाज लेने का निर्णय लिया। हमने उनको पिम्पल्स के लिए आईपीएल (इंटेंस पल्स्ड लाइट) तथा पीलिंग ट्रीटमेंट दिया। साथ ही अनइवन स्किन टोन, डार्क सर्कल्स तथा टैनिंग के लिए लेजर फेशियल के साथ क्यू स्विच लेजर ट्रीटमेंट दिया गया। कुछ ही समय में इसका अच्छा रिजल्ट मिलने लगा और डॉ. नेहा शर्मा ने अपनी त्वचा में आए अच्छे परिवर्तनों को महसूस किया।

खास बात यह है कि त्वचा संबंधी किसी भी समस्या के लिए सही समय पर इलाज लेने के साथ ही इलाज के दौरान धैर्य रखना भी जरूरी है। यह कोई जादू नहीं है अच्छा और पूरा रिजल्ट मिलने के लिए आवश्यक है कि मरीज पूरा इलाज ले और डॉक्टर की सलाह का पालन करे, अपनी त्वचा का ख्याल भी अच्छे से रखे। आज मेडिकल साइंस के क्षेत्र में लगभग हर समस्या का समाधान मौजूद है आवश्यकता बस इतनी है कि आप समस्या को समझें, सही विशेषज्ञ से इलाज करवाएं और इलाज के बाद भी अच्छे से त्वचा का ख्याल रखें। इसमें नियमित दिनचर्या, संतुलित और पौष्टिक खान-पान तथा व्यायाम भी शामिल हैं इन सबसे आपको स्वस्थ और ताजगी भरी त्वचा पाने में मदद मिलती है।

रेसिपी

टमैटो सूप

सामग्री

- मक्खन- 1 बड़े चम्मच
- प्याज- 1/2 लंबा कटा हुआ
- टमाटर- 6-7 छिलका निकालकर कटे हुए
- पानी- 1 1/2 कप
- वेजिटेबल स्टॉक- 1/2 कप
- नमक- स्वादानुसर

विधि

एक पैन में मक्खन डालकर उसे अच्छे से पिघला लें। अब इसमें प्याज, टमाटर, नमक और पानी डालकर धीमी आंच पर पकाएं। 30-40 मिनट में ये अच्छी तरह से पक जाएगा। अब इसे मिक्सी में अच्छे से पीस लें। आवश्यकतानुसार नमक मिक्स करें और ब्रेड के छोटे टुकड़े डाल गरमा-गरम सूप सर्व करें।

केक

सामग्री

- अंडे- 4
- चीनी- 1 कप
- मैदा- 1 कप
- बेकिंग पाउडर- 1 चम्मच
- नमक- 1/4 चम्मच
- मक्खन- 1/2 कप
- वनिला एसेंस- 1/2 चम्मच

विधि

सबसे पहले एक बाउल में अंडा डाल अच्छे से फेंट लें। अब इसमें चीनी मिलाएं। इसके बाद मैदा, नमक और बेकिंग पाउडर डालें। अब इसमें पिघला हुआ मक्खन डालकर और फेंटे जिससे गुठली न रह जाए। सबसे बाद में वनिला एसेंस डालें। केक का बैटर तैयार है। अब जिस पैन में केक बनाना है उसे मक्खन से अच्छे से ग्रीस कर लें। अब इसमें केक का मिक्सचर डाल दें। अब इस पैन को प्रेशर कुकर में रखेंगे। सबसे पहले कुकर में एक ऐसी कटोरी में पानी रखें जो पैन का भार सह सके। अब कुकर का ढक्कन बंद कर देंगे लेकिन उसकी सीटी निकाल देंगे जिससे वो धीरे-धीरे स्टीम से पकता रहे। 15-20 मिनट बाद कुकर का ढक्कन खोलकर केक में चाकू के मदद से चेक करेंगे कि केक अच्छी तरह पक गया है या नहीं। चाकू में बैटर न लगे तो वो पूरी तरह पक चुका है और अलग गीला बैटर चाकू के साथ आए तो इसका मतलब उसे अभी और पकाने की जरूरत है। तो केक को किसी प्लेट में पलट देंगे और क्रीम, चॉकलेट जिससे भी इसकी कोटिंग करनी है करके फ्रिज में सेट होने के लिए रख देंगे। 1/2 से 1 घंटे बाद इसके स्लाइसेज करके सर्व करें।

आरएनआई नं. DELHIN/2009/28518 स्वामी, संपादक, मुद्रक, प्रकाशक रमाकांत पाण्डेय द्वारा दिव्य भारत प्रकाशन के लिए एन-93 डी नारायण नगर लक्ष्मी नगर, दिल्ली से प्रकशित एवं बीएफएल इन्फोटेक लि., प्रेस सी-9 सेक्टर 3 नोयडा से मुद्रित. संपादक : रमाकांत पाण्डेय, कार्यकारी संपादक : आलोक पाण्डेय*, फोन 7701825882, 7905152597, *पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत समाचारों के चयन एवं प्रकाशन के लिए उत्तरदाई.E-mail : newsdibyabharat@gmail.com